दैनिक

साधना एक्सप्रेस

वर्ष-3 | अंक - 3 | sadhnaexpress@gmail.com भोपाल, सोमवार, 23 दिसंबर, 2024 पृष्ठ-8 | मूल्य - 2 रुपये www.sadhnaexpress.com

न्यूज ब्रीफ

महिलाओं को मिलेंगे 2100, बुजुर्गों का मुफ्त इलाज, दिल्ली में आज से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन, केजरीवाल ने खुद बताया

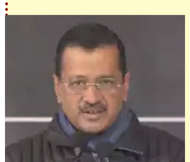

नई दिल्ली, एजेंसी | दिल्ली में कल से महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो रहा है। पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी है। दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में कुछ दिन पहले आप सरकार ने दो योजनाओं की घोषणा की थी। इसमें महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये दिए जाएंगे तो वहीं 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों को संजीवनी योजना के तहत मुफ्त इलाज मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल के साथ पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और सीएम आतिशी भी मौजूद थीं।

आज से शुरू होगा महिला सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन - दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिल्ली की महिलाओं को चुनाव के बाद खाते में 2100 रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए 23 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन शुरू हो जाएगा। केजरीवाल ने आगे कहा कि 2100 रुपये हर महीने आने से उन्हें अपना घर का खर्चा चलाने में भी मदद मिलेगी। हमसे रजिस्ट्रेशन के लिए कॉल आई थीं। महिलाओं को राहत देते हुए केजरीवाल ने बताया कि हमारी टीम हर घर का दौरा करेगी और महिलाओं का रजिस्ट्रेशन करेगी। महिला सम्मान योजना के तहत होने वाले इस रजिस्ट्रेशन के बाद महिलाओं को एक कार्ड भी दिया जाएगा। इसके लिए उन्हें अपने साथ वोटर आईडी कार्ड साथ रखना होगा।

धर्म के नाम पर उत्पीड़न-अत्याचार समझ की कमी के कारण होते हैं - मोहन भागवत

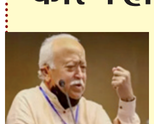

अमरावती, एजेंसी | राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को अमरावती में महानुभाव आश्रम के शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान संघ प्रमुख ने कहा कि धर्म महत्वपूर्ण है और इसकी शिक्षा ठीक से दी जानी चाहिए। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार गलतफहमी और धर्म की समझ की कमी के कारण होते हैं। धर्म महत्वपूर्ण है और इसकी शिक्षा ठीक से दी जानी चाहिए।

धर्म को समझना बहुत कठिन - मोहन भागवत ने आगे कहा कि धर्म को समझना पड़ता है और धर्म को समझना बहुत कठिन है। मनुष्य समझ नहीं पाता है। जो बहुत ज्ञानी होगा वही समझेगा। वो बातों को बहुत ध्यान से सुनता है और जो अज्ञानी होता है। वो बोलने वाले को ज्ञानी समझता है और इसलिए उसे सुनता है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें आधा-अधूरा ज्ञान होता है। ऐसे लोगों को लगता है कि मुझे सब मालूम है, जबकि वह उसका अहंकार होता है।

दुनिया में धर्म के नाम पर जितना अत्याचार हुआमोहन भागवत ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि धर्म को पूरा समझना पड़ता है, जो पूरा नहीं समझा तो उसे धर्म के आधे ज्ञान के चलते उससे अधर्म होता है। दुनिया में धर्म के नाम पर जितना अत्याचार हुआ है, यह अधूरे ज्ञान के चलते हुआ है। धर्म को समझाने के लिए संप्रदाय की जरूरत होती है, बिना उसके पंथ भी नही चलता है और बाबा ने बताया है कि उसके लिए बुद्धि चाहिए. जिस पंथ के पास बुद्धि है, उसे हम संप्रदाय बोलते हैं।

» 105 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों दी सौगात

टीकमगढ़ के माथे पर लग रहा है विकास का तिलक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

» देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना से टीकमगढ़ के साथ पूरे बुन्देलखण्ड की बदलेगी तस्वीर और तकदीर » खजुराहो में 25 दिसम्बर को केन-बेतवा लिंक परियोजना कार्यक्रम के लिए किया आमंत्रित » मुख्यमंत्री जतारा में जनकल्याण पर्व सह किसान सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुए

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि टीकमगढ़ के माथे पर विकास का तिलक लग रहा है। जिले में अब कभी सूखे की समस्या नहीं होगी। देश की पहली नदी जोड़ो परियोजना से टीकमगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे बुन्देलखण्ड की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना से वृहद स्तर पर सिंचाई एवं पेयजल सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली उत्पादन, फसलों की पैदावार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास से नागरिकों का जीवन खुशहाल होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को टीकमगढ़ जिले की जतारा तहसील में आयोजित जन-कल्याण पर्व सह किसान सम्मेलन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीकमगढ़ जिले के लिये 105 करोड़ 63 लाख रूपए की लागत के 120 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को लड्डू खिलाकर 25 दिसम्बर को खजुराहों में आयोजित होने वाले केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमि-पूजन कार्यक्रम के लिये आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उन्नति के पथ पर अग्रसर है। केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए एक लाख करोड़ रूपए की राशि स्वीकृत की गई है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल

बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ने की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 दिसम्बर को राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा लिंक परियोजना का छतरपुर जिले के खजुराहो में भूमिपूजन करेंगे। परियोजना के साकार रूप लेने पर बुन्देलखण्ड हरा-भरा और समृद्धशाली बनेगा और इससे क्षेत्र में होने वाला पलायन भी रूकेगा। मुख्यमंत्री ने आमजनों को वृहद परियोजना के शुभारंभ अवसर पर खजुराहो में आमंत्रित किया और सभी उपस्थितजनों को मुट्ठी बांधकर परियोजना के भूमिपूजन कार्यक्रम में आने का संकल्प दिलाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर केन-बेतवा लिंक परियोजना का मॉडल और जन-कल्याण एवं विकास पर केन्द्रित प्रदर्शनी और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली और पुष्प-वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक जतारा श्री हरिशंकर खटीक, श्री अमित नुना, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उमिता राहुल सिंह, पूर्व मंत्री श्री राहुल सिंह, जन-प्रतिनिधि, लाड़ली बहनें और बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित रहे।

पीएम नरेंद्र मोदी कुवैती नेतृत्व के साथ वार्ता की, कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई

• नई दिल्ली, प्रतिनिधि

नई दिल्ली | पीएम मोदी ने इस दौरान की कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर साझा की। उन्होंने लिखा, 'कुवैत के महामहिम अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ शानदार बैठक। हमने औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, अवसंरचना और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के साथ व्यापक वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने अपनी चर्चा में सूचना प्रौद्योगिकी, औषधि, फिनटेक, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा क्षेत्र में संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया।

पीएम मोदी ने इस दौरान की कुछ तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर साझा की। पीएम मोदी ने लिखा, 'कुवैत के महामहिम अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ शानदार बैठक। हमने औषधि, सूचना प्रौद्योगिकी, फिनटेक, अवसंरचना और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की।'

'ये सोची-समझी साजिश हैं', केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में किए बदलाव तो मल्लिकार्जुन खरगे ने साधा निशाना

• नई दिल्ली, प्रतिनिधि

नई दिल्ली | कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव नियम में बदलाव करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्वाचन आयोग की संस्थागत शुचिता को नष्ट करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की व्यवस्थित साजिश का हिस्सा है. उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग की निष्ठा को जानबूझकर खत्म किया जाना संविधान और लोकतंत्र पर सीधा हमला है.

चुनाव नियमों में बदलाव

सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा और वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोक दिया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके. निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे गये कागजात या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 93(2)(ए) में संशोधन किया है.

प्लानिंग के साथ चुनाव आयोग पर हमला

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''चुनाव संचालन नियमों में मोदी सरकार का दुस्साहसिक संशोधन भारत के निर्वाचन आयोग की संस्थागत अखंडता को नष्ट करने की उसकी व्यवस्थित साजिश के तहत किया गया एक और हमला है. इससे पहले, उन्होंने चीफ जस्टिस को उस चयन समिति से हटा दिया था, जो निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति करती है और अब वे हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी चुनावी जानकारी को रोकने में लगे हैं.''

खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और ईवीएम में पारदर्शिता की कमी जैसी चुनाव संबंधी अनियमितताओं के बारे में जब भी निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है, तो उसने इसका तिरस्कारपूर्ण लहजे में जवाब दिया है और कुछ गंभीर शिकायतों को स्वीकार भी नहीं किया है.

लक्ष्य व दिशा सही हो तो समस्त बांधाएं दूर हो जाती हैं: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विंध्य की उड़ान एवं विंध्य विस्तार सम्मान समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को किया सम्मानित

• भोपाल, प्रतिनिधि

भोपाल | उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विन्ध्य में विकास की अपार संभावनाओं के अनुरूप विकास कार्य किये जा रहे हैं। लक्ष्य व दिशा सही हो तो बांधाएं अपने आप ही दूर हो जाती हैं। जन-प्रतिनिधियों का दायित्व है कि वह जनता को परिणाम दें। विन्ध्य में हरित, औद्योगिक व पर्यटन क्रांति से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। वह दिन दूर नहीं जब रीवा जिले की एक-एक इंच भूमि सिचिंत होगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नदी जोड़ो अभियान के सार्थक परिणाम सामने आयेंगे और प्रदेश में सम्पन्नता आयेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय रीवा कैम्पस के बलदेव सिंह सभागार में विन्ध्य की उड़ान एवं विन्ध्य विस्तार सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विन्ध्य की विभूतियों को शुभकामनाएँ दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री एवं श्रम मंत्री और रीवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, राज्य मंत्री नगरीय विकास एवं आवास श्रीमती प्रतिमा बागरी ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट जनों को शॉल-श्रीफल व प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। सांसद रीवा श्री जनार्दन मिश्र, विधायक मैहर श्री श्रीकांत चतुर्वेदी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संसाधनों के साथ विंध्य के नागरिकों का जज़्बा क्षेत्र को विकास के मार्ग में कर रहा अग्रसरः मंत्री श्री पटेल

मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि विन्ध्य में जल, जंगल की उपलब्धता के साथ ही यहां के लोगों में जज्बा है। खनिज की प्रचुरता व परिवहन सुविधाओं से यह क्षेत्र विकास के मार्ग पर अग्रसर है। गंगाजी के निकट से जुड़े इस क्षेत्र में संसाधनों की कमी नहीं है।

नए साल से बदल जाएंगे पुरी के पुरी के जगन्नाथ मंदिर में दर्शन के नियम, नई व्यवस्था होगी लागू

• नई दिल्ली, प्रतिनिधि

नई दिल्ली | ओडिशा सरकार श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए पुरी के जगन्नाथ मंदिर में एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रही है। ये जानकारी कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने दी है।

नया साल आने में कुछ ही दिन शेष बचे है। नए साल के मौके पर कई लोग मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं और भगवान से आशीर्वाद मांगते है। इस दौरान देश के कई बड़े बड़े मंदिरों में भी लोग दर्शन करने पहुंचते है। इसमें ओडिशा के पूरा का जगन्नाथ मंदिर भी शामिल है।

ओडिशा सरकार श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए पुरी के जगन्नाथ मंदिर में एक नई व्यवस्था शुरू करने जा रही है। ये जानकारी कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने दी है। उन्होंने संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि सरकार एक जनवरी से जगन्नाथ मंदिर में सार्वजनिक दर्शन के लिए नई व्यवस्था शुरू करने के लिए कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा, 'आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। 27 या 28 दिसंबर तक आवश्यक कार्य पूरा कर लिया जाएगा। 30 और 31 दिसंबर को दो दिनों के लिए नई व्यवस्था प्रायोगिक आधार पर शुरू की जाएगी।'

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान से नाराज हैं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, जानें क्या कहा?

ज्योतिषीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अंबेडकर को लेकर की जा रही राजनीति पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गृहमंत्री अमित शाह के बयान की आलोचना की.

• नई दिल्ली, प्रतिनिधि

नई दिल्ली | ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान को गलत बताया है जिसमे उन्होंने कहा था की हर जगह मंदिर ढूंढ़ने की इजाजत नहीं दी सकती है. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, अतीत में हिन्दू समाज के साथ बहुत अत्याचर हुआ है और हिन्दुओं के धर्मस्थलों को तहस नहस किया गया है. इसलिए अगर अब हिन्दू समाज अपने मंदिरो का पुनः उद्धार कर उन्हें पुनः संरक्षित करना चाहता है तो इसमें गलत क्या है. अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि, अतीत मे आक्रांताओं द्वारा तोड़े गए मंदिरों की सूची बनाकर उनका एएसआई से सर्वेक्षण कराया जाना चाहिये.

डॉक्टर भीमराव अंबेडर पर सियासी संग्राम पर अविमुक्तेश्वरानंद ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने गृहमंत्री अमित शाह के बयान की अलोचना की है. उन्होंने कहा कि संसद में धक्का मुक्की प्रकरण की वजह अमित शाह का संसद में अंबेडकर पर बयान दिया है. साथ ही उन्होंने कहा कि, इन्हें अंबेडकर के नाम से तकलीफ होती है, उन्होंने कहा कि देश में अंबेडकर की विचारधारा के लोग अधिक हैं. इसलिए हर कोई अंबेडकर के नाम का अपनी राजनीति के लिए इस्तेमाल कर रहा है.

अविमुक्तेश्वरानंद ने की बांग्लादेश हिंसा की निंदा

शंकराचार्य ने बांग्लादेश मे हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार की निंदा करते हुए कहा कि, भारत मे अवैध रूप से प्रवास कर रहे 8 करोड़ बांग्लादेशियो को लेकर केंद्र सरकार को कड़े कदम उठाते हुए वापस बांग्लादेश भेजना चाहिए. जब 8 करोड़ बांग्लादेशी वापस अपने देश मे जायेंगे, तब उनके बोझ से बांग्लादेश की अक्ल ठिकाने आएगी. गौरतलब है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने सरस्वती हरिद्वार दौरे पर थे जहां उन्होंने उक्त बातें मीडिया से रूबरू होते हुए कही है. इसके अलावा उन्होंने कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

'राहुल गांधी जैसे अपराधियों का साथ देती हैं', जया बच्चन ने चोटिल बीजेपी सांसदों को बताया 'ड्रामेबाज' तो बोले शहजाद पूनावाला

• नई दिल्ली, प्रतिनिधि

नई दिल्ली | संसद में एनडीए और इंडिया ब्लॉक के सांसदों के बीच हाथापाई के दो दिन बाद, समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद जया बच्चन ने आरोप लगाया कि अस्पताल में इलाज करा रहे भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद "नाटक" कर रहे हैं. मामले पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि जया बच्चन संसद में जया अमिताभ बच्चन कहने पर भड़क जाती हैं और राहुल गांधी जैसे अपराधी का साथ देती हैं.

न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'कांग्रेस की फ्रस्टेशन चरम पर है. राहुल गांधी हिंसा पर उतर आए हैं, उन्होंने दो बीजेपी सांसदों को घायल कर दिया है और कोन्याक के प्राइवेट स्पेस का उल्लंघन किया है. दुख इस बात का है कि इस कृत्य का खंडन करने के बजाय कुछ राजनीतिक दल इसको फर्जी करार देने पर तुली हैं."

'पीड़ित महिलाओं का साथ नहीं देतीं जया बच्चन'

शहजाद पूनावाला ने आगे कहा, "जया बच्चन जो कभी जया अमिताभ बच्चन कहने पर भड़क जाती हैं, वो एक आदिवासी महिला सांसद पर सवाल उठाकर कहती हैं कि वो एक्टिंग कर रही हैं. इससे उनकी मानसिकता झलकती है कि वो कभी भी महिला पीड़ितों के साथ नहीं होती हैं, बल्कि नवाब यादव और राहुल गांधी जैसे अपराधियों के साथ समर्थन रहता है.'

दरअसल, कोन्याक ने आरोप लगाया है कि संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी ने उनके साथ 'दुर्व्यवहार' किया. उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के व्यवहार से उन्हें 'बेहद असहज' महसूस हुआ.

भोपाल से आए अधिकारियों ने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर तथा सीएचसी का किया निरीक्षण

मुरैना। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा संचालित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल (सीपीएचसी) के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की सेवा की गुणवत्ता की जमीनी हकीकत जानने के लिए एनएचएम भोपाल की राज्य स्तरीय अधिकारियों ने मुरैना जिले के शहरी, नूराबाद, खड़ियाहार, अम्बाह, पोरसा, जौरा, कैलारस एवं सबलगढ़ में निरीक्षण किया।

उपसंचालक आयुष्मान आरोग्य मन्दिर डॉ. मनीष सिंह की टीम ने आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के राज्य परामर्शदाता डॉ. विशाल जायसवाल, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एसपी श्रीवास्तव तथा अन्तरा फाउंडेशन की टीम डॉ. शैली दत्ता एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी नवनीत श्रीवास्तव ने सर्वप्रथम जींगनी स्वास्थ्य केन्द्र का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान एचडब्ल्यूसी की संयुक्त मासिक बैठक अवलोकन किया गया। एएनएम ने बताया कि सीएचओ की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में एक निर्धारित एजेंडा का पालन किया जाता है। मुख्य रूप से इस बैठक में हाई रिस्क केस की केसवार समीक्षा की जाती है। समीक्षा के दौरान इनके प्राथमिक प्रबन्धन एवं आवश्यकतानुसार उच्च संस्था पर रेफरल का प्लान बनाया जाता है। आशा एवं आंगनवाडी द्वारा

समस्त केस का फॉलोअप किया जाता है। इस दौरान जींगनी के सरपंच से जन आरोग्य समिति के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं जनभागीदारी द्वारा एचडब्ल्यूसी के बेहतर विकास हेतु आग्रह किया गया।

एनक्यूएएस प्रमाणित एचडब्ल्यूसी माता बसैया में सीएचओ अशोक वर्मा को गुणवत्तापूर्ण जन आरोग्य समिति बैठक करने एवं आशा इनसेंटिव प्रपत्र का सही तरीके से सत्यापित करने के निर्देश दिये। बाबरीपुरा आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में ओपीडी रजिस्टर अपडेट न होने, एचबी मीटर प्रयोग ने करने हेतु नाराजगी जाहिर की गई एवं सीएचओ सुजाता को निर्देशित किया गया कि नियमित अपने कार्य सुचारू रूप से करें। एचडब्ल्यूसी मीटिंग में एएनएम से मीटिंग के उद्देश्यों एवं तरीके के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। आशा एवं आंगनवाडी द्वारा बनाए गई हाई रिस्क की लाइन लिस्ट को सराहा गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पदमेश उपाध्याय एवं टीम द्वारा संयुक्त रूप से सीएचसी खड़ियाहार के लेबर रूम एवं पैथोलॉजी का निरीक्षण किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश सम्बन्धित को दिए गए। एनएचएम भोपाल डॉ. रोशनी, जिला क्वालिटी प्रबन्धक डॉ. प्रमोद मिश्रा एवं कार्यक्रम अधिकारी दीपेश राजपूत द्वारा अंबाह ब्लॉक में पीएचसी दिमनी, पोरसा ब्लॉक में आयुष्मान आरोग्य मन्दिर एचडब्ल्यूसी अम्लेहड़ा, रजौधा, भदावली एवं पिपरीपूठ का भ्रमण किया गया। तीसरी टीम एनएचएम प्रमोद कुमार भोपाल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनन्द बंसल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वितीय डॉ. खारकुर, जिला एम एण्ड ई अधिकारी महेश दत्त गर्ग, एपीएम अशोक भगोरिया द्वारा संयुक्त रूप से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र महामाया, रामनगर, संजीवनी क्लिनिक बड़ोखर, तुस्सीपूरा एवं पॉलीक्लिनिक जौरी का भ्रमण किया गया।

चौथी टीम में एनएचएम भोपाल अभिषेक सिंघवी द्वारा पीएचसी टेंटरा, एचडब्ल्यूसी बाबरीपुरा, पासोन खुर्द तथा सीएच सबलगढ़ का भ्रमण किया गया। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय गोयल, डॉ. केशव शर्मा, डॉ. अमित दंडोतिया, डॉ. अविनाश, डॉ. रूपिका, सावी श्रीवास्तव, अनुष्का पाण्डेय, समीर अहमद, आदित्य आदि उपस्थित थे।

इनरव्हील क्लब ने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस पर आयोजित किया मेडीटेशन वर्कशॉप

मुरैना। क्लब अध्यक्ष डॉ नीरज गुप्ता द्वारा बताया गया कि इनर व्हील क्लब मुरैना द्वारा प्रथम अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के अवसर पर मेडिटेशन के महत्व को समझने और इसके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मनाया गया। ध्यान एक शक्तिशाली अभ्यास है जिससे कंसंट्रेशन में, प्रोडक्टिविटी में और डिसीजन मेकिंग की क्षमता बढ़ती है। मनुष्य के जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं, माइंडफूलनेस, वर्तमान क्षण में एकाग्रता, तनाव मुक्ति जीवन जीना ध्यान द्वारा ही संभव है ध्यान हमारे भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। चिंता व नकारात्मकता को दूर करता है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ और ध्यान के लबों को प्राप्त करने के लिए इनर व्हील क्लब द्वारा एक मेडिटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें सुषमा गांगिल द्वारा ज्ञान की विधि को समझाया गया। उन्होंने किस तरह हम अपने आसपास से एनर्जी को अपने शरीर के अंदर ले सकते हैं वह विधि सिखाई, वह रे की हीलिंग के कुछ टिप्स बताएं गए। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ नीरज गुप्ता, सचिव प्रतीक्षा बादिल, पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुधा महेश्वरी, डॉ. हेमा सिंघल, अनीता किंग रानी, मिथिलेश गुप्ता, राखी, प्रीति सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ध्यान से मन-तन और जीवन आनंदमय बनता है: श्रीश्रीरविशंकर

- विश्व ध्यान दिवस पर उप जेल सहित अनेक स्कूलों में 2000 से अधिक लोगों ने किया ध्यान

- मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान और आर्ट ऑफ लिविंग ने किये आयोजन

मुरैना/अम्बाह। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर शनिवार को नगर की उप जेल अंबाह सहित जीनियस स्कूल, ब्राइट कैरियर एकेडमी, शासकीय सीएम राइज, द राइजिंग स्टार और वैष्णवी पब्लिक स्कूल आदि में 2000 से अधिक विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अन्य लोगों ने ध्यान किया। मध्यप्रदेश राज्य आनन्द संस्थान आनन्द विभाग और आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक गुरु श्रीश्री रविशंकर महाराज की संयुक्त पहल पर नगर में अनेक आयोजन हुए। प्रमुख ध्यान धारणा कार्यक्रम उप जेल अंबाह में हुआ, जहां आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षक बालकृष्ण शर्मा, मनुज गुप्ता, मध्यप्रदेश राज्य आनन्द संस्थान के मास्टर ट्रेनर सुधीर आचार्य, सहयोगी अंकित मिश्रा, दुष्यंत सिंह तोमर और हरिओम पचौरी मुख्य रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने बालकृष्ण शर्मा ने श्री श्री रविशंकर महाराज संदेश सुनाते हुए कहा कि ध्यान से हमारे अंदर ऊर्जा बढ़ती है, हमारा मन प्रफुल्लित होता है। अनेक तरह के तनावों से छुटकारा मिलता है। हमारे जीवन में एकाग्रता का प्रभाव बढ़ता है। हम ध्यान के द्वारा ही स्वयं को और स्वयं के द्वारा किए गए कार्य व्यवहार को देख और समझ पाते हैं इसलिए जीवन में ध्यान का बहुत महत्व है। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनर मध्यप्रदेश राज्य आनन्द संस्थान सुधीर आचार्य ने ध्यान के बारे में कहा कि बिना ध्यान के हम एक क़दम भी चल नहीं सकते, ज़रा सा ध्यान हटते या ध्यान चूकते ही घटना दुर्घटना हो जाती है। हम जिस तरह के भावों विचारों घटनाओं का ध्यान करेंगे हमारा कार्य व्यवहार उसी तरह का होता चला जाएगा। इसलिए इस अवसर पर हमें सोचना चाहिए कि हमारा ध्यान जिन बातों विचारों कार्यों की ओर जाएगा उसका प्रभाव हमारे मन धन और जीवन पर पड़ेगा।

जौरा मंडल अध्यक्ष का किया स्वागत

मुरैना/जौरा। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी मंडल जौरा के अध्यक्ष बने पंकज गुप्ता का युवा भाजपा नेता अमन सिंह सिकरवार कुंवरपुर के नेतृत्व में स्वागत किया गया। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया के तहत जौरा मंडल की दूसरी बार अध्यक्ष बने पंकज गुप्ता का एमएस रोड पर अमन सिकरवार के नेतृत्व में सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोशीला स्वागत किया। इस अवसर पर पंकज गुप्ता का कहना था कि पार्टी संगठन द्वारा मुझे दूसरी बार जो जिम्मेदारी मंडल अध्यक्ष की दी गई है। वहां आप सभी के सहयोग एवं समय-समय पर पार्टी के लिए की गई मेहनत का ही परिणाम है। इस अवसर पर अमन सिकरवार ने कहा कि पंकज गुप्ता को पार्टी हाई कमान द्वारा उनके पहले कार्यकाल में पार्टी के लिए समर्पित होकर किए गए कार्य और मेहनत का ही फल है कि दूसरी बार भी संगठन ने उन्हें जौरा मंडल की जिम्मेदारी दी है। नगरीय चुनाव हो, विधानसभा हो या फिर लोकसभा, पंचायत के चुनाव हो सभी चुनाव में गुप्ता ने समर्पित होकर पार्टी के लिए कार्य किया है। इस दौरान शगुन चंद जैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष अमन सिकरवार, मंडल उपाध्यक्ष आसाराम कुशवाहा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. मुरारी लाल त्यागी, भावेश गोस्वामी, दीपक जादौन, अंकित जादौन, सचिन रावत, जीतू सिकरवार, धीरेंद्र सिकरवार, अतुल सिकरवार, रंजीत रावत, विशाल रावत, रजत जोशी सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं अमन सिकरवार मित्र मंडली भी उपस्थित थी।

जौरा पंजाबी गली में आवारा मजनू कर रहे माहौल खराब

- गली में आने जाने वाली लड़की, महिलाओं पर कसते हैं कमेंट

मुरैना/जौरा। पूरे देश में नारी सशक्तिकरण का माहौल बनाया जा रहा है। सरकार नारी सुरक्षा पर और छात्राओं के हित में तमाम बड़े-बड़े फैसले ले रही हैं। पुलिस विभाग और प्रशासन भी छात्राओं के लिए अपनी नीतियां जारी करता है। यहां तक कि निर्भया टीम तक गठित कर दी गई हैं लेकिन जौरा पंजाबी गली के कोचिंग सेंटरों पर लगने वाली आवारा लड़कों की भीड़ से माहौल खराब रहता है। लेकिन फिर भी दड़बेनुमा कमरों में चल रहे कोचिंग सेंटरो पर प्रशासन किसी प्रकार की लगाम नहीं कस पाया है, ना ही कोचिंग संचालकों में किसी प्रकार का प्रशासन का कोई भय है। पूर्व में कोचिंग संचालकों के साथ प्रशासन की ही बैठक में कई प्रकार के नियम बताए गए थे और इन्हें लागू करने की चेतावनी भी दी गई थी लेकिन पंजाबी गली के किसी भी कोचिंग संचालक द्वारा प्रशासन के नियमों को ठेंगा दिखाते हुए किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई। पंजाबी गली में लगने वाली आवारा लड़कों की भीड़ किसी भी गंभीर घटना का कारण बन सकती है। किसी भी कोचिंग सेंटर पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगाए गए हैं और ना ही लड़कियों के और लड़कों के बैच अलग-अलग किए गए हैं। साथ ही पंजाबी गली में चलने वाले कोचिंग सेंटर पर पढ़ने वाले बच्चों के आईडी कार्ड भी नहीं बनाए गए हैं जिससे आवारा लड़कों और पढ़ने वाले बच्चों के बीच में कोई अंतर भी नहीं दिखता है। पंजाबी गली में रहने वाले रहवासी भी इन आवारा लड़कों की भीड़ से परेशान है। बेहद स्पीड में निकलने वाली मोटरसाइकिल से छोटे बच्चों के घर वाले भी बड़े भयभीत रहते हैं। जौरा प्रशासन किसी घटना के होने के बाद ही जागता है और ऐसा ही कुछ पंजाबी गली में देखने को मिल रहा है कि वहां पर होने वाली घटनाओं के कभी भी वीडियो वायरल होकर नेशनल न्यूज़ बन जाते हैं, लेकिन ऐसी स्थिति में भी जौरा पुलिस प्रशासन सोया रहता हैं। इस संबंध में स्थानीय निवासी प्रशासन को ज्ञापन देने का मन बना रहे हैं कि जिससे उनके ज्ञापन से पुलिस प्रशासन की नींद खुल सके।

जिला सीईओ डॉ. गढ़पाले ने ग्राम पंचायत रिठौरा का पुरा में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर का किया औचक निरीक्षण

» ग्रामीण जनों की शिकायत पर सचिव एवं रोजगार सहायक का 03 दिवस का वेतन राज सात करने के दिए निर्देश

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन द्वारा 11 दिसंबर से 26 जनवरी, 2025 तक जिले में ÷मुख्यमंत्री जन कल्याण÷ अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को जनपद पंचायत अंबाह की ग्राम पंचायत रिठौरा का पुरा एवं इकहरा में मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न योजनाओं के कुल 39 आवेदन प्राप्त हुए हैं। ग्राम पंचायत रिठौरा का पुरा में आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान के शिविर का मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणजनों से सीधा सम्वाद कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने आधार अपडेशन, दिव्यांग प्रमाण पत्र, नाला निर्माण, बच्चों को सम्पूर्ण पोषण के लिए आवश्यक सुविधाएं, पेंशन एवं निःशक्त उपकरण, कृषि विभाग की योजनाओं, शिक्षण परिणाम को सुनकर मौके पर ही समस्त विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्रामीणजनों द्वारा सचिव एवं रोजगार सहायक की शिकायतों पर जिला सीईओ ने दोनों का 03 दिवस का वेतन राज सात करने एवं आवश्यक कार्यवाही के लिए जनपद सीईओ को निर्देशित किया। साथ ही जिला सीईओ ने कक्षा 08वीं में अध्ययनरत छात्रा सुश्री काजल निषाद से चर्चा की एवं बालिका को पुरस्कृत किया।

वर्ल्ड मेडिटेशन डे के अवसर पर ध्यान दिवस मनाया

मुरैना। शनिवार को वर्ल्ड मेडिटेशन दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सीताराम धर्मशाला रोड पर स्थित केंद्र द्वारा मानसरोवर पैलेस में विश्व ध्यान दिवस मनाया एवं नशा मुक्त भारत अभियान का भी उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में अतिथि डॉ आर. सी. बांदिल पूर्व सी.एम.एच.ओ., अशोक शर्मा संग्रहालय अध्यक्ष, एस.पी. सारस्वत रिटायर्ड प्रिंसिपल, सी.एल. गुप्ता रिटायर्ड प्रिंसिपल, राकेश अग्रवाल हायर सेकेंडरी स्कूली प्रिंसिपल, डॉ राम प्रकाश गुप्ता चिकित्सक, डॉ . विनोद बांदिल एवं रेखा बहन चम्बल संभाग संचालिका उपस्थित थे और सभी का तिलक फूल माला पहनकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में रेखा बहन ने बताया कि ध्यान से हमारा मन शांत होता है, ध्यान ही है जो मानव को देव तुल्य बनता है। ध्यान से तन मन स्वस्थ रहता है, इसलिए रोजाना ध्यान अवश्य करना चाहिए। नशा मुक्ति होने के बारे में भी बताया और कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान हम गांव स्कूल कॉलेज में भी यह प्रोग्राम करेंगे।

अलोपी शंकर विद्यालय में गणित प्रदर्शनी का आयोजन संपन्न

मुरैना/कैलारस। नगर में पुरानी सब्जी मंडी के खुमानपुरा रोड स्थित विद्यार्थियों में गणित के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए अलोपी शंकर विद्यालय में शनिवार को 10:30 से चालू हुआ। कार्यक्रम में बच्चों के साथ माता-पिता भी शामिल हुए। छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी कला प्रदर्शनी कर गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। गणित दिवस के अवसर पर गणित के अध्यापकों ने पाठ्यक्रम से संबंधित सभी विद्यार्थियों को मॉडल बनाने में सहायता की एवं उसकी समझ सभी विद्यार्थियों को प्रदान की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन को श्रद्धांजलि और विद्यार्थियों की रुचि गणित के प्रति बढ़ाना है।

इससे छात्रों में खेल-खेल में गणित को सीखने व समझने की शक्ति विकसित होगी एवं उनके मन में गणित का भय भी समाप्त होगा। इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के बीआरसी, थाना प्रभारी, पत्रकारों को पुष्पहार पहनाकर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में अलोपी शंकर विद्यालय के संचालक लाखन सिंह धाकड़ ने सभी विद्यार्थियों को गणित दिवस की शुभकामनाएं दी व उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के संचालक सतेंद्र सिंह धाकड़ ने सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों के गणित मॉडल के प्रश्न किए एवं सभी शिक्षकों का धन्यवाद आभार किया। कार्यक्रम में आए सभी अभिभावक विद्यार्थियों के गणित के मॉडल से आकर्षित हुए एवं विद्यालय के प्रिंसिपल अमित जैन को धन्यवाद कहा। गणित प्रदर्शनी के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुकेश शर्मा (बी. आर. सी. सी.कैलारस), थाना प्रभारी वीरेश सिंह कुशवाहा, जयबीर सिंह जादौन बी.ई.ओ. कैलारस, माखनलाल धाकड़, पूर्व बी.ओ. पहाड़गढ़,जालिम सिंह धाकड़, पूर्व बी.ओ. डॉ. एच. ए. मंसूरी प्राचार्य ए. एस. डिग्री कॉलेज, मुकेश रजक, अशोक सिंह सिकरवार संचालक सेन्ट जोन्स स्कूल, जुनेद खान पत्रकार, अमर सिंह जादौन पत्रकार, एवं उपस्थित रहे।

तीन अवैध कॉलोनी पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

मुरैना/पोरसा। नगर के पास शाहपुरा में अवैध रूप से निर्मित तीन अवैध कॉलोनीयों पर शनिवार को स्थानीय प्रशासन द्वारा बुलडोजर चलाकर उसे तोड़ दिया गया। प्रशासन की कार्रवाई से अवैध कॉलोनी बनाने वालों में हड़कंप मच गया है।बताया जाता है कि शाहपुरा में 5 बीघा एवं दो बीघा की तीन अलग-अलग कॉलोनी अवैध रूप से बनाई जा रही थी, जिसमें सर्वे क्रमांक 87,89 पारस पुत्र ब्रह्मलाल गुप्ता एवं सर्वे क्रमांक 226 गोविंद पुत्र रमेश चंद्र सिंघल की कॉलोनी शामिल है। शनिवार को सुबह अनुविभागीय अधिकारी अरविंद माहौर, नायब तहसीलदार कुलदीप जादौन, मौजा पटवारी सकल पाठक, नगर पालिका की टीम एवं पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध कॉलोनीयों को तोड़ा गया और अवैध कॉलोनी बनाने वालों को चेतावनी दी गई कि फिर से निर्माण शुरू किया गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 25 को मुरैना में

- 15 से 29 वर्ष के युवा दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

मुरैना। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री की मंशा अनुसार पंच प्रण और आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 28वां जिला स्तरीय युवा उत्सव 25 दिसम्बर 2024 को सुबह 10 बजे से सायं 5 बजे तक शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 मुरैना में भव्यता पूर्वक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 15 से 29 वर्ष के विद्यार्थी और गैर विद्यार्थी युवा अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पाने पर नगद पुरस्कार भी जीत सकते हैं। यह जानकारी नेहरू युवा केन्द्र की अधिकारी नेहा जादौन ने दी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग, नेहरू युवा केन्द्र और राष्ट्रीय सेवा योजना मुरैना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें विज्ञान मेला (एकल), विज्ञान मेला (समूह), कहानी लेखन, कविता लेखन, पेंटिंग, भाषण, मोबाइल फोटोग्राफी, समूह लोकनृत्य, समूह लोकगायन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन विधाओं में रुचि रखने वाले 15 से 29 वर्ष के युवा निर्धारित प्रोफार्मा में 23 दिसंबर 2024 तक आवेदन कर सकते हैं। पंजीयन के इच्छुक युवा मुरैना में नेहरू युवा केन्द्र ,खेल एवं युवा कल्याण विभाग, शासकीय पीजी कॉलेज मुरैना, पीजी कॉलेज अम्बाह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना युक्त अन्य संस्थाओं के अधिकारियों से संपर्क कर आवेदन जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही युवा प्रतिभागी का माय भारत पोर्टल पर पंजीयन होना अनिवार्य है।

गौसेवक रुद्रप्रताप को बिस्मिल युवा साहित्य मंच ने किया सम्मानित

मुरैना। बिस्मिल युवा साहित्य मंच के तत्वधान में बीती रात्रि अखिल भारतीय कवि सम्मेलन एवं युवा सम्मान समारोह का आयोजन अमर शहिद क्रांतिकारी पं रामप्रसाद बिस्मिल जी की शहादत दिवस पर किशोरी लाल गार्डन अंबाह में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि हॉकी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं का सम्मान किया। जिसमें मुरैना के युवा रुद्रप्रताप सिंह को गौसेवा के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। कवि सम्मेलन में मुख्य रूप से कवि पंकज पंडित ललितपुर, प्रतीक चौहान भोपाल, नीतेश व्यास रायसेन, पवन तोमर तन्मय पोरसा, पलक सिकरवार, अनिल मुद्गल ग्वालियर, शिवानंद कटारे सहित कवियों ने काव्य पाठ किया।

जो हितग्राही पूर्व में योजनाओं का लाभ लेने से चूक गए उन्हें मिल रहा है लाभ: पार्षद युवराज दंडोतिया

मुरैना। शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान अंतर्गत नगर निगम मुरैना द्वारा शिविरों का आयोजन वार्ड क्रमांक 06 जोरा रोड वार्ड क्रमांक 14 माधोपुरा की पुलिया पर शिविरों का आयोजन किया गया शिविर में पहुंचे वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद युवराज डांडिया ने कहा कि मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों में जनकल्याणकारी योजनाओ के पात्र हितग्रहि जो पूर्व में योजनाओं का लाभ लेने से चूक गए ऐसे हितग्राहियों को मध्य प्रदेश सरकार की 45 योजनाओं का एवं 25 से अधिक सेवाओं का लाभ मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों में दिया जा रहा है श्री दंडोतिया ने बताया कि इन शिविरों से वार्ड के लोगों तक लाभ पहुंच रहा है सरकार की मनसा अनुरूप शिविरों का संचालक नगर निगम मुरैना द्वारा किया जा रहा है शनिवार की सुबह शिविर में पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष गोविंद उपाध्याय ने कहा कि सरकार की मंशा है पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे और इन शिविरों के माध्यम से पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक लाभ मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पहुंचाया जा रहा है शिविर में नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी रहीम चौहान नोडल अधिकारी फरमान खान सहित विभिन्न विभाग के कर्मचारी अधिकारी भी मौजूद रहे।

हाथ ठेला हटाने व्यावसायिक महासंघ ने कटआउट लगाए

» मंगलवार से अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान

मुरैना। शहर के प्रमुख बाजारों में हाथ ठेले लगने से बाजार की यातायात व्यवस्था तथा दुकानदारों की दुकानदारी प्रभावित होने के चलते व्यापारियों ने शनिवार को हाथ ठेले हटाने के लिए कट आउट लगवा दिए और उस पर लिखा गया है कि सोमवार तक हाथ ठेले नहीं हटाए गए तो मंगलवार से सभी प्रमुख बाजार पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। व्यापारियों द्वारा लगाए गए कट आउट शनिवार को चर्चा का विषय बने रहे और लोग इसको लेकर तमाम तरह की चर्चाएं करते रहे।

प्रमुख बाजारों की तमाम यूनियन से बने व्यावसायिक महासंघ द्वारा हाथ ठेले बाजार से हटाने के लिए पिछले दो दिन से कवायद की जा रही है, वहीं दूसरी ओर हाथ ठेले वाले बाजार से जाने के लिए तैयार नहीं है, उनके पीछे भी नेताओं की मंडली खड़ी हो गई है। पिछले तीन दिन से लगातार बाजार में व्यापारियों एवं हाथ ठेले वालों के बीच तलवार खिंच गई है। शनिवार को व्यापारियों ने जगह-जगह कट आउट लगवा दिए और उन पर साफ शब्दों में नगर निगम के लिए लिखा गया है कि सोमवार तक हाथ ठेले बाजार से नहीं हटाए गए तो व्यापारी अनिश्चितकाल के लिए बाजार बंद कर देंगे। उल्लेखनीय है कि इस मामले को लेकर व्यावसायिक महासंघ ने शुक्रवार को नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन दिया और हाथ ठेले हटाने की मांग रखी, वहीं दूसरी ओर हाथ ठेले वाले भी अपनी बात रखने कमिश्नर के पास पहुंचे। अब देखना दिलचस्प हुआ कि सोमवार को प्रमुख बाजारों से हाथ ठेले हटते हैं और व्यापारियों की जीत होती है या नहीं, वहीं हाथ ठेले संचालक भी बाजार में रहने के लिए मशक्कत कर रहे हैं।

जौरा विधायक ने विधानसभा में किया अटल एक्सप्रेस वे का विरोध

मुरैना/जौरा। कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय ने विधानसभा में शून्य काल में चर्चा करते हुए कहा कि अटल एक्सप्रेस वे में सड़क के दोनों और 500-500 मी. का इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाने का बजट में प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा दोनों और पांच-पांच किलोमीटर का बफर जोन भी प्रस्तावित है। पहले इस योजना को परिवहन मंत्रालय ने पूरी तरह रद्द कर दिया था लेकिन अब इसे वापस राज्य बजट में जोड़ा गया है जिससे पूरी चंबल घाटी तबाह हो जाएगी। परियोजना में किसानों को मुआवजा देने की भी कोई नीति घोषित नहीं की गई है। एक्सप्रेसवे से कहीं किसी ग्रामीण को आज तक कोई लाभ नहीं मिला है। यमुना एक्सप्रेस वे इसका एक उदाहरण है जिसमें लोगों को अपने खेत पर जाने के लिए कई किलोमीटर घूमना पड़ता है। यह योजना केवल बड़े उद्योगपतियों को लाभ देने के लिए बनाई गई है। उपाध्याय ने कहा कि इस योजना में हमारे विधानसभा के ग्राम बिरखापुरा, सुखपुरा, मोहनपुर, ताजपुर, उत्तमपुर, छिंनबरा, कोलुडाढा, बरैंड, चिन्नोनी, सिंगरौली, पर्वतपुर, रणछौड़पुरा, तिंदौखर, जापथाप, हुसैनपुर, रजौधा, कोटरा, मिलुआ, लोहरी का पूरा आदि गांवों सहित सैकड़ो गांव प्रभावित हो रहे हैं। हमारे किसान भाइयों की जमीन कौड़ियों के भाव ले ली जाएगी। लघु सीमांत और छोटे किसान बर्बाद हो जाएंगे। हम चाहते हैं एक्सप्रेसवे का निर्माण पुराने एलाइनमेंट यानी बीहड़ में से निकले जिससे हमारी उपजाऊ जमीन बर्बाद ना हो।

संक्षिप्त समाचार

लाड़ली बहना योजना के पैसे नहीं बढ़ाना चाहती सरकार, कमलनाथ का आरोप

भोपाल। मध्यप्रदेश में अक्सर चर्चाओं में रहने वाली चर्चित लाड़ली बहना योजना से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। जहां तत्कालीन भाजपा सरकार की ओर से लाड़ली बहना योजना के प्रचार में 119 करोड़ 98 लाख रुपए खर्च किए गए थे। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने सरकार से सवाल किया था। जिसपर सरकार ने यह जबाव पेश किया है।

कब बढ़ेंगे लाड़ली बहना योजना के पैसे– कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल ने अपने सवाल में सरकार से पूछा कि लाड़ली बहना योजना की राशि को बढ़ाकर 1000 हजार से 3000 हजार किया जाएगा। विज्ञापन में इसकी जानकारी क्यों नहीं दी गई। विपक्ष सरकार को लाड़ली बहना योजना की राशि को बढ़ाने के लिए लगातार घेर रहा है कि कब लाड़ली बहनों को 3000 हजार रुपए मिलेंगे।

कमलनाथ ने उठाए सवाल– पूर्व सीएम कमलनाथ ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झूठी वाहवाही और झूठे विज्ञापनों के लिये कुख्यात मध्यप्रदेश की बीजेपी सरकार ने पिछले सात महीनों में लाड़ली बहना के प्रचार पर 120 करोड़ रूपये फूंककर जनता का ख़ज़ाना लुटाने का नया कीर्तिमान बनाया है।

नाथ ने आगे लिखा है कि योजना की बात करें तो सरकार न ही नये हितग्राहियों को इस योजना में जोड़ने का काम कर रही है, न ही वादे के मुताबिक़ योजना की राशि 3000 रूपये प्रतिमाह करने की दिशा में कोई पहल कर रही है।

लाड़ली बहना योजना में पंजीयन पिछले एक वर्ष से बंद है। 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुकीं पात्र बहनों को योजना का लाभ नहीं देना घोर अन्याय की श्रेणी में आता हैं। सरकार प्रचार में धन लुटाकर अपनी नाकामी छिपाने की असफल कोशिश में लगी है।

पूर्व विधायक ने पूछा पात्र महिलाओं के कब होंगे पंजीयन– पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने एक पत्र में सरकार से सवाल किया था कि लाड़ली बहना योजना को सतत् प्रवृति की स्कीम बताया था। जब ऐसा ही था तो 20 अगस्त 2023 के बाद पात्र महिलाओं का स्कीम में पंजीयन क्यों नहीं कराया गया। राज्य का धन अगर स्कीम में बंट रहा है तो बाकी महिलाओं का भी इसमें हक है।

पात्र महिलाओं का शुरु हो रजिस्ट्रेशन– पूर्व विधायक सकलेचा ने सवाल उठाते हुए कहा है कि पंजीयन शुरू करना चाहिए। जब आप 60 साल से ऊपर महिलाओं को स्कीम से बाहर कर रहे हैं, 250 रुपए अतिरिक्त दे रहे हैं। या जिन महिलाओं की मौत हो गई है तो उनके नाम हटाए जा रहें हैं। ऐसे में पात्र महिलाओं का रजिस्ट्रेशन क्यों नहीं हो रहा। इधर, पूर्व विधायक ने आरोप लगाया है कि सरकार पत्र का कोई जवाब नहीं दे रही है।

सरकारी नौकरी पाने का सुनहरा का मौका, इन पदों पर निकली बंपर भर्ती

भोपाल। सरकारी नौकरी का सपना देख रहे लोगों के लिए ये खबर बड़े काम की है। दरअसल एमपी राज्य विद्युत बोर्ड ने 2500 से ज्यादा पदों पर भर्ती नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। 24 दिसंबर से इच्छुक व्यक्ति इसके लिए आवेदन कर सकते है।

24 दिसंबर से कर सकते है अप्लाई– 24 दिसंबर से आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उम्मीदवार ऑफिसियल वेबसाइट www.mpwz.co.in पर जाकर संबंधित पद के लिए अपने आवेदन दे सकते है। 23 जनवरी आवेदन की आखिरी तय की गई है। इसके बाद कोई भी एप्लीकेशन स्वीकार्य नहीं होंगे। आवेदन के लिए उम्मीदवारों की निर्धारित आयु सीमा 18 से 40 साल तय की गई है।

इन पदों पर निकली भर्ती– विद्युत कंपनी ने 2500 से ज्यादा पदों पर भर्ती करने वाली है। इनमें कार्यालय सहायक श्रेणी, लाईन परिचालक, सुरक्षा उप निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता मैकेनिकल, कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रॉनिक, सहायक प्रबंधक(सिविल), कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक(ट्रांस./वितरण/संयंत्र इलेक्ट्रिकल) सहायक विधि अधिकारी/विधि सहायक आदि शामिल है।

इसके अलावा सहायक प्रबंधक(मा.सं.), सहायक प्रबंधक(सू. प्रो.), संयंत्र सहायक-मैकेनिकल, संयंत्र सहायक इलेक्ट्रिकल, औषधि संयोजक, भंडार सहायक, कनिष्ठ शीघ्र लेखक, एएनएम, ड्रेसर, स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन, अग्निशामक, सुरक्षा सैनिक, प्रोग्रामर, कल्याण सहायक, सिविल परिचालक इत्यादि पद शामिल हैं।

योग्यता – किसी भी बोर्ड से 12वीं पास, यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त इंस्टीट्यूट से ग्रेजुएशन की डिग्री। किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से कंप्यूटर/मैकेनिकल का डिप्लोमा।

ब्रह्मलीन परमहंस संत हिरदाराम साहिब के निर्वाण दिवस पर कुटिया पर लगी भीड़

श्रद्धालुओं ने माथा टेककर नम आंखों से किया नमन, जगह-जगह प्रसाद वितरण

भोपाल, नप्र। दीन दुखियों के मसीहा, सदी के महामानव ब्रह्मलीन संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब का 18वां महाप्रयाण दिवस शनिवार को श्रद्धा के साथ मनाया गया। सेवा संकल्प धाम कुटिया पर सुबह से लेकर शाम तक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर नम आंखों से संत हिरदाराम साहिब को नमन किया। कुटिया पर पिछले तीन दिन से चल रहे संपट पाठ का भी भोग साहब के साथ समापन के साथ प्रसादी वितरण किया गया। संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब के निर्वाण दिवस के अवसर पर महापौर मालती राय, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा, नेहा बग्गा सहित कई श्रद्धालुओं ने कुटिया पहुँचकर माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। इधर, विधायक रामेश्वर शर्मा द्वारा गुलाब उद्यान स्थित संत हिरदाराम साहिब की प्रतिमा पर म श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। त्याग, सेवा और समर्पण की प्रतिमूर्ति संत शिरोमणि स्वामी हिरदाराम साहिबजी के 18वें महाप्रयाण दिवस पर मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में आज विशेष तौर पर आयोजित प्रार्थना सभा में उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के आरंभ में संत जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा रामधुन का समवेत गान किया गया। इस अवसर पर अपने संप्रेषित संदेश में संस्था सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने कहा कि पुष्कर राज ब्रह्मलीन संत जी ऐसी जीवात्मा रहे, जिन्होंने अत्यंत कम संसाधनों का उपयोग कर अपना जीवन पूर्ण सादगी से जीया। उनका जीवन साधारण जीवनयापन से असाधारण सामाजिक एवं सार्वजनिक हित के कार्यों की विलक्षण गाथा के समान है।

इस अवसर पर संस्था के अकादमिक निदेशक श्री गोपाल गिरधानी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि संत जी की दिव्यता को उनके सद्कार्यों के माध्यम से सदा स्मरण किया जाएगा। अपने भावपूर्ण उद्बोधन में आपने कहा कि संत जी ने समाज की वास्तविक उन्नति हेतु शिक्षा को अनिवार्य तत्व माना तथा विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं की स्थापना की, जिनके माध्यम से आज युवा पीढ़ी उत्तम शिक्षा प्राप्त कर रही हैं। विद्यालय प्राचार्य श्री अजय बहादुर सिंह ने इस अवसर पर छात्रों को संत जी के कार्यों से अवगत कराते हुए कहा कि संत जी ने मानव हित के अपने किसी भी प्रयास का कभी यशगान नहीं किया। आज उनके परम शिष्य श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी उनके द्वारा स्थापित मानव हित के कार्यों की श्रृंखला को निरंतरता प्रदान कर रहे हैं।

संतजी का कथन है – बूढ़े, बच्चे और बीमार, हैं परमेश्वर के यार, करें भावना से इनकी सेवा, पाएंगे लोक परलोक में सुख अपार संत जी ने हृदय के अंतस भावों से बच्चों एवं वृद्धों की सेवा करने को कहा। न सिर्फ कहा वरन् अपने अथक प्रयासों से विभिन्न सेवा संस्थाएँ स्थापित कर इस कथन की सत्यता का प्रमाण दिया।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक जय रिझवानी, शिक्षिकाएं सोनी ग्वालानी, विशिका पंजवानी, मोहिनी सीरवानी, सपना लच्छवानी व कोमल रामचंदानी ने संत जी का चालीसा मातृभाषा सिंधी में प्रस्तुत कर उनकी महिमा का गान किया। कक्षा दूसरी के विद्यार्थियों रियांश जैन, रिदम ताम्रकर, प्रतीक मालवीय, कुँज पाटीदार, एवं तक्ष थानी ने रामायण में से गुरू आधारित चौपाइयों का गान किया। एवं संत जी के प्रति अपने श्रद्धा भाव व्यक्त किये।

नव युवक सभा में हुआ आम भण्डारा, युवा सिंधी मंच ने लगाई रामधुनी

युवा सिंधी मंच द्वारा हर साल की तरह इस साल भी पेट्रोल पम्प के पास रामधुनी और प्रसादी वितरण किया गया। सुबह 11 से 12 बजे तक रामधुनी और उसके बाद दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक प्रसाद वितरण किया गया। वहीं नव युवक सभा में हर साल की तरह इस साल भी आम भण्डारा आयोजित हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

सेवा करने की कसौटी वहीं है जहां हम सेवा करके प्रफुल्लित होते हैं: गेहानी

सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल में श्रद्धा के साथ संत हिरदाराम साहिब की 18वीं पुण्यतिथि मनाई गई। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने कहा कि संत हिरदाराम साहिब ने जो सिमरन व समर्पण का मार्ग हमें दिखाया है उस मार्ग पर चलें और यह प्रण करें की हर दिन परमात्मा का सिमरन करेंगें और सेवा कार्य करेंगें जो व्यक्ति नि:स्वार्थ सेवा करता है वह अपने जीवन में कभी दु:ख नहीं देखता है अत: देना सीखें देने में बहुत सुख है। आज के दिन विद्यार्थी ये संकल्प लें कि वे मेहनत के साथ पढ़ाई करेगें व मैरिट में आकर विद्यालय व नगर का नाम रोशन करेंगे।

संस्कार में संत हिरदाराम साहिब की पुण्यतिथि पर पुष्पाजंलि का कार्यक्रम

संस्कार विद्यालय में संत शिरोमणि हिरदाराम साहिब की 18वीं पुण्यतिथि पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, कमल प्रेमचन्दानी, मूलचन्द रामचन्दानी द्वारा संत हिरदाराम साहिब के सेवा भाव को नमन करते हुए छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया।

मंत्री सारंग ने किया अल्पना टॉकीज तिराहे पर सड़क व नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण

सर्वे कर प्लान बनाने के निर्देश

भोपाल। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने अल्पना तिराहे से भारत टॉकीज तिराहे पर निर्माणाधीन सड़क एवं नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री सारंग ने निर्माण कार्य में अनियमितताओं और लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त की। मंत्री श्री सारंग ने लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, मेट्रो और यातायात सहित सम्बंधित सभी विभागों को समेकित प्लान तैयार करने के निर्देश दिये।

मंत्री श्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान कहा कि निर्माण कार्य बिना उचित सर्वेक्षण और योजना के शुरू किया गया है। नगर निगम द्वारा बनाई गई नाली नीचे है, जबकि पीडब्लूडी द्वारा बनाई गई नाली ऊंची है। नालियों का निर्माण भी सही तरह से नहीं किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्लानिंग और सर्वेक्षण के अनुसार अधिकारी कार्य करें। मंत्री श्री सारंग ने विधिवत प्लान तैयार कर निर्माण कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ ही अतिक्रमण हटाने के लिये कहा। उन्होंने कहा कि अनियमितता करने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि बगैर योजनाबद्ध चैनेलाइजेशन के पातरा नाले में पानी डिस्चार्ज करने से यह शहर में बाढ़ का कारण बन सकता है। इसके लिये सभी संबंधित विभागों द्वारा समन्वय के साथ योजना बनाई जाए। निर्माण कार्य तत्काल रोक कर सर्वे और प्लानिंग करने के बाद ही काम शुरू किया जाये।

वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने के मामले में 149 प्रकरणों में कार्यवाही, 66 हजार स्पॉट फाईन वसूला

भोपाल, नप्र। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत सख्त कार्यवाही करने के दिए गए निर्देशों के परिपालन में निगम अमले ने विभिन्न क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री, सड़कों सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवन पर ग्रीन नेट न लगाने वालों सहित साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही की और सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 13 प्रकरणों में 24 हजार 500 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम अमले ने कुल 149 प्रकरणों में 66 हजार 250 रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी।

निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने शनिवार को विभिन्न जोन क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत कार्यवाही की। निगम के जोन क्रमांक 14 के अमले ने 08 प्रकरणों में 18 हजार रूपये, जोन क्रमांक 18 के अमले ने 01 प्रकरण में 03 हजार रूपये, जोन क्रमांक 04 के अमले ने 02 प्रकरणों में 02 हजार रूपये, जोन क्रमांक 02 के अमले ने 01 प्रकरण में 01 हजार रूपये, जोन क्रमांक 15 के अमले ने 01 प्रकरण में 500 रूपये सहित कुल 13 प्रकरणों में 24 हजार 500 रूपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की।

निगम अमले ने दो डस्टबिन न रखने, कचरा पृथक-पृथक न रखने, खुले स्थानों पर मूत्र विसर्जित करने, प्रतिबंधित पालीथीन का उपयोग करने सहित अन्य प्रकार से साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों के विरूद्ध भी कार्यवाही की और सभी प्रकार के प्रकरणों में निम्नानुसार स्पॉट फाईन/जुर्माने की राशि वसूल की। जोन क्र. 14 के अमले ने 21 प्रकरणों में 20 हजार 600 रूपये। जोन क्र. 15 के अमले ने 11 प्रकरणों में 13 हजार 500 रूपये। जोन क्र. 18 के अमले ने 12 प्रकरणों में 06 हजार रूपये।

मध्य प्रदेश बालरंग प्रतियोगिता 2024 के अंतर्गत मानव संग्रहालय भोपाल में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें सागर पब्लिक स्कूल गांधीनगर भोपाल के विद्यार्थी रुशिल मेहता कक्षा 8वीं ने सस्वर वेदपाठ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसका प्रशिक्षण जयनारायण शर्मा ने दिया था।

अटलजी की जन्म शताब्दी एवं वीर बाल दिवस पर प्रत्येक मंडल के बूथों में होंगे कार्यक्रम : सुमित पचौरी

जिला पदाधिकारियों की बैठक अटल भवन में संपन्न

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी के नेतृत्व में भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में आयोजित जिला पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गयी। भोपाल जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की 25 दिसंबर जन्म जयंती को पूरे देश में सुशासन दिवस के रूप मनाते हैं। तत्पश्चात 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस पर भोपाल के प्रत्येक बूथ, मंडल व जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होने जा रहा है। पचौरी ने कहा कि आगामी संगठनात्मक कार्यक्रम सभी मंडलों के प्रत्येक बूथों पर होगा। सुमित पचौरी ने अटलजी की जन्म शताब्दी कार्यक्रम के लिए जिला उपाध्यक्ष राम बंसल को संयोजक, सह संयोजक राजेन्द्र गुप्ता व देवेन्द्र योगी को नियुक्त किया है। इसी तरह वीर बाल दिवस के लिए जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत को संयोजक, अश्विनी राय एवं डॉ. योगेन्द्र मुखरैया को सह संयोजक नियुक्त किया है। बैठक में जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने भोपाल के सभी 31 मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्षों का जिला कार्यालय अटल भवन में भाजपा का अंगवस्त्र पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राम बंसल रेनवाल महामंत्री जगदीश यादव, मनोज राठौर राहुल राजपूत राजेंद्र गुप्ता शंकर मकोरिया तुलसी सोनी इंद्रजीत सिंह राजपूत श्रीमती वंदना जाचक गीता माली रवि शर्मा डॉ योगेंद्र मुखरैया विश्व विजय सिंह देवेंद्र योगी, मोर्चा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष व संयोजक वह जिले के पदाधिकारी उपस्थित है।

43 वर्षो बाद भारत की सफ़ल कुवैत यात्रा 21-22 दिसंबर 2024-भारत कुवैत रिश्ता सभ्यताओं, सागर व व्यापार व्यवहार क़े अतीत से जुड़ा है

|| संपादकीय ||

भविष्य की आहट

डा. रवीन्द्र अरजरिया

महाकुम्भ पर मडराता आतंक का साया

देश में महाकुम्भ की तैयारियां जोरों पर हैं। केन्द्र और प्रदेश सरकारें पूरे जोर-शोर के साथ अध्यात्म के इस महापर्व की सफलता हेतु जुटीं है। प्रचार-प्रसार से लेकर व्यवस्थाओं तक में युद्धस्तर के प्रयास देखने को मिल रहे हैं। दूसरी ओर विभिन्न् प्रान्तों में प्राचीनकालीन मंदिरों की खोज में विभिन्न संगठन अपनी शक्तियों को झौक रहे हैं। अनेक स्थानों पर आक्रान्ताओं व्दारा स्थापित किये गये मजहबी केन्द्रों को सनातनी देवालयों के रूप में चिन्हित करने हेतु न्यायालयीन प्रक्रिया भी चल रही है। ऐसे में कट्टरपंथियों की जमातें चुपचाप पर्दे के पीछे से षडयंत्र करने में जुट गईं हैं। गुप्त सूचनाओं के आधार महाकुम्भ में अप्रिय घटनाओं को अंजाम देने के लिए सीमापार से भारत के मीर जाफरों की फौज को सक्रिय कर दिया गया है, जो समाज के विभिन्न क्षेत्रों में छद्मवेष धारण करके राष्ट्र विरोधी, मानवता विरोधी और समाज विरोधी कार्यों को अपने आकाओं के आदेशों पर निरंतर सम्पन्न कर रहे हैं।

आतंक के आकाओं की विध्वंसात्मक सरगर्मियों की जानकारी होते ही शासन ने प्रयागराज में सीबीआरएनई टीम गठित कर दी है जो कैमिकल अटैक से निपटने में सक्षम बताई जाती है। इसी तरह बम निरोधी दस्तों की संख्याओं में भी इजाफा किया गया है। साइबर अटैक से निपटने के लिए विशेषज्ञों की सेवायें सुनिश्चित की गई है। एनआईए व्दारा विशेष चौकसी बरतने हेतु गुप्त स्थान निर्धारित किये जा चुके है जहां से आयोजन स्थल पर पूरी तरह से निगरानी की जा सकेगी। कहा जाता है कि ऐसे ही अनेक प्रयासों को मूर्तरूप देने में जुटी सरकार के सुरक्षात्मक उपायों की जानकारी सरकारी सेवाओं मे मौजूद कट्टरवादी अपने सरगनाओं को निरंतर भेज रहे हैं। सूत्रों की मानें तो देश के अन्दर सक्रिय आतंकी संगठनों के अलावा दुनिया भर के कट्टरपंथियों के अलग-अलग गिरोहों ने भी श्रध्दालुओं के वेष में प्रयागराज पहुंचकर वहां के अखाडों, धार्मिक संस्थाओं और समाजसेवी संगठनों में घुसपैठ बना ली है।

इन्होंने स्वयंसेवी कार्यकर्ता के रूप में अनेक खेमों में अपने सेवायें देने के नाम पर उत्तरदायी लोगों का विश्वास जीतना शुरू कर दिया है। शाही स्नान से लेकर वीआईपी मूवमेन्ट तक को निशाना बनाने के षडयंत्र के साथ-साथ आम श्रध्दालुओं को आहत करने, सनातन पर आघातकरने तथा भय का वातावरण निर्मित करने के मंसूबों को पूरे करने हेतु आधार तैयार कर लिया है। विश्वमंच पर देखें तो समूची दुनिया के सामने पाकिस्तान के बाद अब बंगलादेश की सरकार के संरक्षण में भी हिन्दुओं पर 2000 से अधिक पूर्वनियोजित आक्रमण खुलेआम हुए हैं। हाल ही में वहां के दिनाजपुर तथा मैमनसिंह इलाकों में मंदिरों में जमकर तोडफोड की गई। मूर्तियों को खण्डित किया गया। श्रध्दालुओं की हत्यायें की गईं। हलुआघाट में भी दो मंदिरों की तीन मूर्तियां कट्टरता की भेंट चढ गईं। यह सब वहां की पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी और सरकार के नुमाइन्दों के सामने होता रहा। बेलडोरा संघ में पोलाशकंद काली मंदिर में भी ऐसा ही कृत्य सामने आया। संयुक्तराष्ट्र संघ के सामने लम्बे समय से हिन्दुओं पर अनेक देशों की सरकारों के संरक्षण में हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है परन्तु वहां के उत्तरदायी अधिकारी मौन हैं।

जबकि संयुक्त राष्ट्र संघ व्दारा मुसलमानों के लगाये जाने वाले झूठे आरोपों पर तत्काल सक्रियता दिखाई जाती है, अपने समीक्षा दल पहुंचाता जाता है और जारी कर दी जाती है निर्देशों की लम्बी फेरिस्त। ताजा घटना क्रम में जर्मनी के मैगडेबर्ग में एक क्रिसमस मार्केट में कट्टरपंथी तालिब अल अब्दुलमोहसेन ने गाडी से भीड को रौंदकर सरेआम आतंक का परचम फहराया जिसमें दर्जनों लोग प्रभावित हुए। आरोपी कट्टरपंथी ने 18 साल पहले साउदी अरब से यहां आकर मनोचिकित्सक का जाम पहन लिया था। तालिब अल अब्दुलमोहसेन को साउदी अरब ने मोस्टवांटेड अपराधी घोषित कर रखा है जिस पर आतंकवाद फैलाने, यूरोप और खाडी के देशों से लडकियों की तस्करी करने जैसे अनेक आरोप पंजीकृत है। इस आरोपी को साउदी अरब प्रत्यार्पित करने तथा राजनैतिक शरण देने के मामले लम्बे समय से फाइलों में बंद पडे रहे। जर्मनी की राजधानी बर्लिन से 150 किलोमीटर दूर सैक्सोनी-एन्हाल्ट की राजधानी मैगडेबर्ग के व्यस्ततम इलाके में घटी इस घटना ने 8 साल पहले क्रिसमस के मौके की वारदात की यादें ताजा कर दी जिसमें एक ट्यूनीशियाई नागरिक अनीस अमरी ने बर्लिन के एक भीड भाड वाले क्रिसमिस बाजार में ट्रक से भीड को कुचला था।

ऐसा ही 14 जुलाई 2016 को भी फ्रांस के नीस शहर में समुद्र के किनारे लोकतंत्र की स्थापना के मनाये जाने वाले जश्न के दौरान भी हुआ था। तब इस्लामिक स्टेट के आतंकी ने 70 किलोमीटर की रफ्तार से ट्रक व्दारा 2 किलोमीटर तक लोगों को रौंदा था। अलकायदा तथा इस्लामिक स्टेट ने अमेरिका से सीखे इस लोन वुल्फ अटैक के नायब तरीकों को अपनी आक्रामक नीतियों में प्रमुखता से शामिल कर लिया है। यमन, सीरिया और ईराक में संरक्षित खूंख्वार आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट के प्रवक्ता अबू मोहम्मद अल अदनानी ने सितम्बर 2014 को तो खुलेआम लोन वुल्फ अटैक की अपील की थी। अपुष्ट सूत्रों की मानें लोन वुल्फ अटैक सहित आतंक की अनेक विधाओं को अमली जामा पहाने हेतु सीमापार बैठे हैन्डर्स व्दारा भारत में सक्रिय अपने धरातली एजेन्टों को भारी मात्रा में पैसा, हथियार और विस्फोटक पहुंचाया जा चुका है।

महाकुम्भ में सेवक, संत, साधु जैसे छद्मवेषधारियों व्दारा मानवबम, ड्रोन अटैक, लोन वुल्फ अटैक, टाइमबम, सीरियल ब्लास्ट, शार्ट सर्किट, अग्निकाण्ड, भगदड, अफवाह जैसे हथियारों के उपयोग की आशंका तीव्र होती जा रही है। ईमानदाराना बात तो यह है कि महाकुम्भ पर मडराता आतंक का साया आयोजकों के लिए एक बडी चुनौती बन गया है। इस हेतु आम आवाम को भी सजग, सचेत और सावधान रहने की आवश्यकता है तभी आस्था की डुबकी से अध्यात्मिक संपदा प्राप्त की जा सकेगी। इस बार बस इतनी ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

कुवैत में लाखों भारतियों के बीच मिनी हिंदुस्तान का जलवा- मैत्रीपूर्ण संबंध की जड़ें ऐतिहासिक हैं

"43 वर्षो के बाद भारत के पीएम क़े कुवैत दौरे की करें तो, 43 साल बाद भारत के किसी प्रधानमंत्री ने कुवैत की धरती पर कदम रखा है, उनसे पहले साल 1981 में इंदिरा गांधी कुवैत गई थीं। पीएम का कुवैत में ग्रांड वेलकम किया गया, इस दौरान उन्होंने दो खास शख्स से मुलाकता की जिनका जिक्र पीएम ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में की थी, इनक नाम अब्दुल्ला अल-बैरन और अब्दुल लतीफ अल-नसेफ है, इन्होंने महाभारत और रामायण का अरबी भाषा में अनुवाद किया है।"

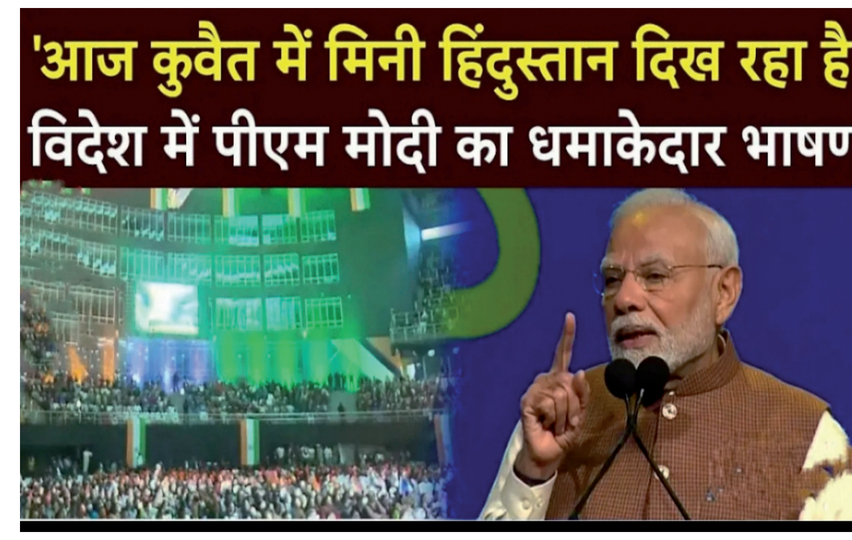

वैश्विक स्तरपर भारत जिस तेज़ी के साथ विश्व पर नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, परंतु अगर नेतृत्व का विस्तार यूएन से लेकर पूरी दुनियाँ तक विस्तारित है तो भारत शीघ्र विश्व गुरु बन जाए तो इसमें किसी को अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि विज़न 2047 के कारण भारत अपनी हर नीति को रणनीतिक तरीके से दूरगामी परिणामों को प्राप्त करने के लिए क्रियान्वयन कर रहा है जो रेखांकित करने वाली बात है। ज़हां एक ओर पीएम नें पूर्वोत्तर क्षेत्रों का अपने कार्यकाल में 65 से अधिक बार दौरा किया है वहीं दूसरी और पापुआ न्यू गिनी से लेकर कुवैत यात्रा तक ऐसे अनेक देश है जहां चार पांच दशकों से कोई भारतीय पीएम नहीं गया है वहां की यात्रा कर भारत क़े सामरिक रिश्तों और वहां रह रहे भारतीयों में भारत के प्रति अलख़ जगा रहे हैं जिसके दूरगामी परिणाम हमें आगे देखने को जरूर मिलेंगे जिसका सटीक उदाहरण माननीय पीएम की 21-22 दिसंबर 2024 कुवैत यात्रा रही जिसमें 10 लाख से अधिक भारतीयों ने पीएम की सभा में मिनी हिंदुस्तान का एक अहसास पैदा करा दिया जो रेखांकित करने वाली बात है। चूँकि मिशन कुवैत 43 वर्षो के बाद भारतीय पीएम का दौरा गेम चेंजर साबित होगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, 43 वर्षों के बाद भारत की कुवैत यात्रा 21-22 दिसंबर 2024 सफल रही,भारत कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं, सागर व व्यापार व्यापार व्यवहार क़े अतीत से जुड़ा हुआ है।

साथियों बात अगर हम पीएम के कुवैत दौरे को अति महत्वपूर्ण होने की करें तो, कुवैत वर्तमान में खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता कर रहा है - जिसमें संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर भी शामिल हैं, यह एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है, जहां पीएम ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है।कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी गई थी। खाड़ी देश भारत के लिए प्रमुख व्यापार और निवेश साझेदार हैं,और नई दिल्ली की इन देशों के साथ मजबूत ऊर्जा साझेदारी भी है। कुवैत भारत के शीर्ष व्यापारिक साझेदारों में से एक है।कुवैत, भारत का छठा सबसे बड़ा कच्चातेल आपूर्तिकर्ता है, जो देश की ऊर्जाआवश्यकताओं को तीन प्रतिशत तक पूरा करता है,जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित्तीय वर्ष 2023- 24 में 10.47 अरब अमेरिकी डॉलर रहा।भारतीय समुदाय कुवैत में सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है,इस यात्रा से भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच संबंधों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।भारत मुक्त व्यापार समझौते के लिए जीसीसी के साथ बातचीत कर रहा है,इस यात्रा से भारत-कुवैत संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी।यात्रा के दौरान, पीएम एक सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत भी की और एक श्रमिक शिविर का भी दौरा किया, वह कुवैत के अमीर के विशेष अतिथि के रूप में 26 वें अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में भी शामिल।

साथियों बात अगर हम 43 वर्षों के बाद भारत के पीएम क़े कुवैत दौरे की करें तो, 43 साल बाद भारत के किसी प्रधानमंत्री ने कुवैत की धरती पर कदम रखा है, उनसे पहले साल 1981 में इंदिरा गांधी कुवैत गई थीं। पीएम का कुवैत में ग्रांड वेलकम किया गया, इस दौरान उन्होंने दो खास शख्स से मुलाकता की जिनका जिक्र पीएम ने अक्टूबर में अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में की थी, इनक नाम अब्दुल्ला अल-बैरन और अब्दुल लतीफ अल-नसेफ है, इन्होंने महाभारत और रामायण का अरबी भाषा में अनुवाद किया है। पीएम ने मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि वह इनसे मिलकर काफी खुश हैं। पीएम ने शनिवार को यहां कुवैत के दो नागरिकों से मुलाकात की और भारत के महत्वपूर्ण ग्रंथों रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद और प्रकाशन करने के उनके प्रयासों की सराहना की। पीएम ने दोनों ग्रंथों के अरबी संस्करणों की प्रतियों पर अपना ऑटोग्राफ भी दिया। पीएम कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के निमंत्रण पर कुवैत यात्रा की है,यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों में इस खाड़ी देश की पहली यात्रा है।पीएम ने कहा,भारत दुनियाँ के उन पहले देशों में से एक है, जिसने कुवैत की स्वतंत्रता के बाद उसे मान्यता दी थी। इसलिए जिस देश से, जिस समाज से इतनी सारी यादें जुड़ी हैं, वहां आना मेरे लिए बहुत यादगार है। मैं कुवैत के लोगों और यहां की सरकार का बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का है, सागर का है और व्यापार- कारोबार का है। भारत और कुवैत, अरब सागर के दो किनारों पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं, बल्कि दिलों ने आपस में जोड़ा है। हमारा वर्तमान ही नहीं, बल्कि हमारा अतीत भी हमें जोड़ता है। पीएम ने कहा, जब भारत को सबसे ज्यादा जरूरत पड़ी, तो कुवैत ने हिंदुस्तान को लिक्विड ऑक्सीजन की सप्लाई दी। हिज हाईनेस द क्राउन प्रिंस ने खुद आगे आकर सबको तेजी से काम करने के लिए प्रेरित किया। मुझे संतोष है कि भारत ने भी कुवैत को वैक्सीन और मेडिकल टीम भेजकर इस संकट से लड़ने का साहस दिया। उन्होंने कहा कि भारत के स्टार्टअप, फिनटेक से हेल्थकेयर तक, स्मार्ट सिटीज से ग्रीन टेक्नोलॉजी तक कुवैत की हर जरूरत के लिए कटिंग एग्ज सॉल्यूशन बना सकते हैं। भारत का स्किल्ड यूथ, कुवैत की फ्यूचर जर्नी को भी नई स्ट्रेंथ दे सकता है। भारत में आज दुनिया की स्किल कैपिटल बनने का भी सामर्थ्य है।इसलिए भारत, दुनिया की स्किल डिमांड को पूरा करने का सामर्थ्य रखता है।पीएम ने कहा, 'आज का भारत एक नए मिजाज के साथ आगे बढ़ रहा है। आज भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी है। आज दुनिया का नंबर वन फिनटेक इकोसिस्टम भारत में है। आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम भारत में है। आज भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता देश है। भविष्य का भारत दुनिया के विकास का हब होगा, दुनिया का ग्रोथ इंजन होगा।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 43 वर्षों बाद भारत की सफ़ल कुवैत यात्रा 21-22 दिसंबर 2024- भारत कुवैत रिश्ता सभ्यताओं, सागर व व्यापार व्यवहार क़े अतीत से जुड़ा है।कुवैत में लाखों भारतियों के बीच मिनी हिंदुस्तान का जलवा- मैत्रीपूर्ण संबंध की जड़ें ऐतिहासिक हैं।मिशन कुवैत पर 43 वर्ष के बाद भारतीय पीएम का दौरा गेम चेंजर साबित होगा।

• लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र (उपरोक्त दिए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं)

कुछ कदम तो चलो

हिमाचल के नजरिए से जनप्रतिनिधियों के बीच हिमाचल को खोजती निगाहें इतनी पैनी तो हैं कि हकीकत और सपनों में अंतर पढ़ लें। कहीं सपने हकीकत में बदल रहे हैं तो ई-विधान प्रणाली से आगे निकल कर, तपोवन परिसर से ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) के माध्यम से कार्यवाही का डिजिटल अंदाज राष्ट्र व्यापी हो गया। कदम माप रहे हैं नई मंजिलें और कहीं मकसद रास्ते खोज रहे हैं। प्रश्नों के बीच खड़े समुद्र ढूंढ रहे हैं किश्तियां, तो मालूम होता है किनारों पर हवा तेज है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री को बताना पड़ता है कि डोडराक्वार में चिकित्सकों व पैरामेडिकल स्टॉफ के यूं तो 23 पद स्वीकृत हैं, लेकिन भरे मात्र पांच ही गए। प्रदेश को सांप इतना काटता है कि पिछले तीन सालों में 35 लोग इसके जहर से मर गए। सवालों के सपने होते, जबकि जवाब की हकीकत के तराजू बता देते हैं कि हमारी व्यवस्था का यथार्थ फंसा कहां है। इसी जुंबिश में कई विशेषाधिकार अब लोकतांत्रिक तरीके से मिल गए और कुछ हमारी राजनीतिक व्यवस्था ने बांटने शुरू कर दिए। हिमाचल का बजट बताता है कि इसके भीतर किसके अधिकार, किसके विशेषाधिकार समाहित हैं। करीब दो लाख 1.7 हजार कर्मचारी और दो लाख दस हजार पेंशनर्स होने के मायने दफ्तरों से कहीं अधिक बजट की आर्थिक चूड़ियां खोलते हैं। हर माह 1300 करोड़ की तनख्वाह और लगभग 730 करोड़ की पेंशन का भुगतान, हमारी आर्थिक हकीकत होते हुए भी सत्तर लाख आबादी के इस प्रदेश को सपने नहीं देखने देती। सपने जो प्री नर्सरी से शुरू होते और तमाम डिग्रियों के बाद बेरोजगारी से लड़ते हैं, उनकी डगर क्या होगी। क्या सदन में आ रहे उत्तर खुद में चिंतन पैदा करते हैं या विधानसभा के तमाम सत्र सिर्फ इकबालिया बयान बना कर रख दिए जाते हैं ताकि जब अगले सत्र में पूछा जाएगा, तो जवाब की भाषा और अर्थ बदल जाएगा। एक बड़ा ही रोचक जवाब आया है। चिंतपूर्णी के विधायक राकेश कालिया के प्रश्न पर ऊना विकास की बांछे खिल जाती हैं। चिंतपूर्णी ट्रस्ट की कमाई से निकले 18 करोड़ ने सारे जिला को प्रसाद दिया है।

यह एक नजरिया हो सकता है कि कमाऊ मंदिर ने जिला की विकास परियोजनाओं को संबल दिया, लेकिन इस मंदिर की प्रतिष्ठा व आर्थिकी में देखें तो इस आमदनी से केवल धार्मिक पर्यटन की अधोसंरचना ही सशक्त होनी चाहिए, ताकि सारा निवेश आगे चलकर आय को दक्षिण भारतीय मंदिरों की तर्ज पर प्रभावशाली बना सके। जाहिर तौर पर हिमाचल की महत्त्वाकांक्षा के राष्ट्रीय संदर्भ अब केंद्र से भी मुखातिब है। ऐसे में विधायकों और राज्य सरकार से अधिक दिल्ली के फरमान चाहिएं। सुखद पहलू यह कि अब बहस में फोरलेन और रेलवे लाइन के संपर्क दिल्ली में गूंज रहे हैं। केंद्रीय सरकार के कुछ महकमे अगर तलाशे जाएं, तो हिमाचल के कद मुताबिक तरक्की निकल ही आएगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा पर सौ फीसदी एतबार करके हिमाचल ने अपने चार सांसदों को हक-हकूक का इतना पहरेदार बना ही दिया कि जब राष्ट्रीय योजनाएं-परियोजनाएं बनें तो आबंटन खामोश न रहे। जाहिर है राज्यसभा और लोकसभा के मार्फत भाजपा के सांसदों के लिए अपनी पारी का हवाला देना, हमारे दृष्टिकोण को परिलक्षित करता है। केंद्रीय नागरिक उड्डन राज्य मंत्री मुरलीधर जब सांसद इंदु गोस्वामी को बताते हैं कि हिमाचल के तीनों एयरपोर्ट्स कृषि उड़ान योजना के पात्र बन गए, तो बेमौसमी नकदी फसलों व फूलों की खेती आसमान की तरफ देख सकती है। दूसरी ओर लोकसभा में सांसद राजीव भारद्वाज हिमाचल के पर्यटन की आवाज उठाते हैं तो केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का आश्वासन पौंग डैम को स्वदेश-दो योजना से भर देता है। लाहुल-स्पीति कल्चर एवं हेरिटेज और हिमालयन सर्किट परियोजना के 68.34 करोड़ से उम्मीदें खिलखिला उठती हैं, फिर भी पर्वतीय प्रदेश के आंचल में उम्मीदों को लिखने के लिए केंद्र की उदारता प्रतीक्षारत है।

टेक्नोलॉजी

टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में भारत की लंबी छलांग, 11 पायदान का हुआ उछाल

भारत ने वैश्विक नेटवर्क रीडनेस इंडेक्स में 11 स्थानों का उछाल मारकर 49वें स्थान पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि सरकार की डिजिटल पहल जैसे कि 4जी और 5जी नेटवर्क का विस्तार, भारतनेट परियोजना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की वजह से संभव हो सकी है। यह रैंकिंग भारत के डिजिटल विकास में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

भारत ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के मामले में लंबी छलांग मारी है। नेटवर्क रीडनेस इंडेक्ट 2024 की रिपोर्ट की मानें, तो भारत की रैंकिंग में 11 पायदान का उछाल देखा गया है। ऐसे में अब भारत की रैंकिंग 49वीं हो गई है। मिनिस्ट्री ऑफ इन्फॉर्मेशन एंड ब्रॉडकॉस्टिंग मिनिस्टर ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट किया है, जिसके मुताबिक ग्लोबल

स्तर पर भारत की रैंकिंग सुधार हुआ है। बता दें कि इस रैंकिंग को वाशिंगटन डीसी बेस्ड पोर्टुलन्स इंस्टीट्यूट की ओर से जारी की गई है। मंत्री की मानें, तो यह रैंकिंग सरकार के इन्हैंस गवर्नेंस, सिटिजन इंगेजमेंट और ओवरऑल इंपैक्ट को दिखाता है।

भारत की ग्लोबल रैंकिंग में हुआ सुधार - मिनिस्टर के मुताबिक भारत की साल 2023 में रैंकिंग 60 हुआ करती थी, उस वक्त स्कोर 49.93 था। ऐसे में भारत ने 11 पायदान की सुधार के साथ साल 2024 में 49वीं रैंक हासिल की है। इस दौरान भारत का स्कोर 53.63 रहा है। उन्होंने कहा कि यह भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को दर्शाता है।

मोबाइल इंटरनेट रैंकिंग में हुआ सुधार - बता दें कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में मोबाइल इंटरनेट और ब्रॉडबैंड रैंकिंग में सुधार हुआ है। साथ ही भारत ने तेजी से 4G सर्विस शुरू करने के साथ 5G सर्विस को देश में रोलआउट कर दिया है। इसके अलावा सरकार ने हर गांव तक आप्टिकल फाइबर के साथ एयर फाइबर के जरिए इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। सरकार की इस योजना को भारतनेट के नाम से जाना जाता है।

सरकार का AI की तरफ फोकस - सरकार ने आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस की तरफ कदम बढ़ा दिया है। देश में स्वदेशी टेक्नोलॉजी बेस्ड 4G और 5G सर्विस को रोलआउट किया जा रहा है। वही ज्यादातर सरकारी योजनाओं को डिजिटल मोड से उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही मेडिकल से लेकर हर एक काम डिजिटल मोड से हो रहा है।

यूपीआई पेमेंट में जमकर तेजी - भारत ने ऑनलाइन पेमेंट के मामले में कमाल का इनोवेशन किया है। देश की नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी NPCI की ओर से UPI सिस्टम लॉन्च किया गया। जिस पर PhonePe, Google Pay, Paytm जैसै ऑनलाइन पेमेंट ऑप्शन बेस्ड हैं। आज भारत में बड़े पैमाने पर ऑनलाइन पेमेंट किया जा रहा है।

जनरल नॉलेज

रुड़की से क्या लेकर निकली थी भारत की पहली मालगाड़ी, कितना तय कर पाई थी सफर?

भारत की पहली मालगाड़ी के लिए इंजन इंग्लैंड से मंगवाया गया था. यह भाप से चलने वाला इंजन था. इस इंजन के साथ 180 से 200 अन वजन ले जाने में सक्षम बोगियां बनवाई गई थीं.

भारतीय रेलवे अब किसी पहचान का मोहताज नहीं है. यह दुनिया का चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क है. भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क को इतना आधुनिक बना रहा है कि आने वाले समय में यहां बुलेट ट्रेन भी चलती नजर आएगी. भारत की अर्थव्यवस्था का भी एक बड़ा हिस्सा रेलवे पर ही निर्भर करता है. रेलवे न केवल पूरे देश को एक साथ जोड़ता है, बल्कि ट्रांसपोर्टेशन में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है.

आपने देश में पहली रेल चलने की कहानी तो कई बार पढ़ी होगी, लेकिन क्या आप जानते हैं कि देश में पहली मालगाड़ी कब चली थी? जवाब है 22 दिसंबर. जी हां, देश में पहली मालगाड़ी आज के ही दिन 1851 को चलाई गई थी. यह मालगाड़ी रुड़क से पिरान कलियर के बीच चली थी. यह क्षेत्र फिलहाल उत्तराखंड राज्य में है.

कहां से आया था इंजन? - भारत की पहली मालगाड़ी के लिए इंजन इंग्लैंड से मंगवाया गया था. यह भाप से चलने वाला इंजन था. उस समय इस महत्वपूर्ण योजना के मुख्य इंजीनियर थॉम्सन ने इस इंजन के साथ 180 से 200 अन वजन ले जाने में सक्षम बोगियां बनवाई थीं. यानी इस ट्रेन में केवल दो बोगियां ही थीं. इस ट्रेन को रुड़की से करीब 10 किलोमीटर दूर पिरान कलियर तक भेजा गया था. इस 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में इस मालगाड़ी को 38 मिनट लग गए थे, यानी यह मालगाड़ी 6.44 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली थी.

पहली मालगाड़ी में क्या लदा था? - देश की पहली मालगाड़ी का प्रयोग गंगा नहर निर्माण परियोजना के लिए किया गया था. उस समय इस परियोजना के दौरान मिट्टी और निर्माण सामग्री की ढुलाई का काम होना था, जिसके लिए इस मालगाड़ी की व्यवस्था की गई थी. इस ट्रेन में मिट्टी और कंस्ट्रक्शन का सामान लादकर रुड़की से पिरान कलियर तक भेजा गया था. हालांकि, यह मालगाड़ी सिर्फ 9 महीने ही चल पाई थी. हालांकि, हम वर्तमान समय की बात करें तो भारत में हो रहे ट्रांसपोर्टेशन का एक बड़ा हिस्सा मालगाड़ियों पर ही निर्भर करता है. इसको इस बात से समझा जा सकता है कि भारतीय रेलवे हर साल करीब 10 करोड़ टन से ज्यादा माल का ट्रांसपोर्टेशन करती है. रेलवे की 70 फीसदी कमाई का जरिया मालगाड़ियां ही हैं.

कुवैत में जब रामायण-महाभारत के अरबी ट्रांसलेटर और पब्लिशर से मिले पीएम मोदी, दोनों से मिलकर की मन की बात

एजेंसी कुवैत सिटी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार दोपहर कुवैत पहुंचे। इसके साथ ही वह 43 साल में इस खाड़ी देश की यात्रा करने वाले पहले भारतीय पीएम बन गए। उनका कुवैत पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। कुवैत सिटी पहुंचने पर प्रधानमंत्री ने रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन और उसे छापने वाले अब्दुल्ला लतीफ अलनेसेफ से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने मुलाकात के दौरान दोनों को इस शानदार काम के लिए बधाई भी दी। पीएम मोदी ने इसके पहले मन की बात कार्यक्रम में उनके काम की तारीफ की थी। पीएम मोदी कुवैत राज्य के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल-सबाह के निमंत्रण पर अपनी ऐतिहासिक दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। उम्मीद है कि यह यात्रा खाड़ी देशों के साथ भारत के करीबी रिश्तों को एक नए स्तर पर ले जाएगी। पीएम मोदी को बयान पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा फिर वह कुवैत के अमीर और कुवैत के क्राउन प्रिंस के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। इसके बाद कुवैत के प्रधानमंत्री के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी, जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम की समीक्षा की जाएगी। क्राउन प्रिंस भारतीय प्रधानमंत्री के सम्मान में एक भोज का आयोजन करेंगे। पीएम मोदी एक सामुदायिक कार्यक्रम में भारतीय प्रवासियों से बातचीत करने के अलावा एक श्रमिक शिविर का भी दौरा करेंगे। वह कुवैत के अमीर के विशेष अतिथि के रूप में 26वें अरेबियन गल्फ कप के उद्घाटन समारोह में भी शामिल होंगे। कुवैत में भारतीय समुदाय का अहम रोल कुवैत के निर्माण में भारतीय समुदाय का अहम योगदान है। कुवैत में 10 लाख भारतीय रहते हैं, जो कुल आबादी का 21 प्रतिशत हैं। कुवैत की वर्क फोर्स में भारतीय 30 प्रतिशत (9 लाख) हैं। कुवैत में भारतीय दूतावास के अनुसार, निजी क्षेत्र के साथ ही घरेलू क्षेत्र के वर्क फोर्स में भारतीय कर्मचारी शीर्ष पर हैं।

नेपाल के बाद अब मोहम्मद यूनुस ने की सार्क को फिर जिंदा करने की मांग, भारत के बिना पाकिस्तान-बांग्लादेश का मंसूबा होगा कामयाब

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) को पुनर्जीवित करने की जरूरत पर जोर दिया। नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली के बाद उनकी मांग सामने आई है। उन्होंने ढाका से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सार्क फेडरेशन ऑफ ऑन्कोलॉजिस्ट्स (SFO) को संबोधित करते हुए कहा, 'दक्षिण एशिया के हित में एक सक्रिय सार्क मंच होना चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'सार्क मेरे लिए बहुत मायने रखता है। जैसे ही मैंने मुख्य सलाहकार का पद संभाला, मैंने इसे सक्रिय करने का आह्वान किया।' संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ मीटिंग में उन्होंने सार्क को पुनर्जीवित करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि दक्षिण एशिया के नेताओं को क्षेत्रीय लाभ के लिए सार्क को सक्रिय बनाना चाहिए, भले ही भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चली आ रही शत्रुता जैसी चुनौतियां मौजूद हों। उन्होंने कहा है कि इन दोनों देशों के बीच की समस्याओं का असर दक्षिण एशिया के अन्य देशों पर नहीं पड़ना चाहिए और क्षेत्र में एकता और सहयोग का आह्वान किया। दक्षिण एशिया में सार्क का महत्व यूरोपीय संघ (EU), आसियान और इस्लामिक सहयोग संगठन (OIC) जैसे वैश्विक संगठनों की सफलता के उदाहरणों से प्रेरित है। हालांकि पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण भारत ने धीरे-धीरे इसमें दिलचस्पी कम कर दी। 2016 में पाकिस्तान में हुए शिखर सम्मेलन में भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। भारत जैसे बड़े देश की ओर से दूरी बनाने के बाद नेपाल, श्रीलंका, भूटान, अफगानिस्तान, मालदीव और शेख हसीना के नेतृत्व वाले बांग्लादेश ने भी सार्क में अपनी दिलचस्पी कम कर दी। लेकिन अब मोहम्मद यूनुस इस कोशिश में हैं कि सार्क को पुनर्जीवित किया जाए। हालांकि इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान से उम्मीद लगाई हुई है। सवाल उठता है कि क्या भारत को छोड़कर सार्क के बाकी सदस्य पाकिस्तान से जुड़ेंगे? पाकिस्तान चाहता है कि सार्क को पुनर्जीवित किया जाए। 2016 में जब भारत ने सार्क में हिस्सा नहीं लिया तब बांग्लादेश, अफगानिस्तान और भूटान ने भी शिखर सम्मेलन से अपनी भागीदारी वापस ले ली थी।

भारत के दोस्त ने रेगिस्तान में बनाई स्वर्ग जैसी राजधानी, राष्ट्रपति महल देख एर्दोगन, शहबाज और यूनुस की फटी रह गई आंखें

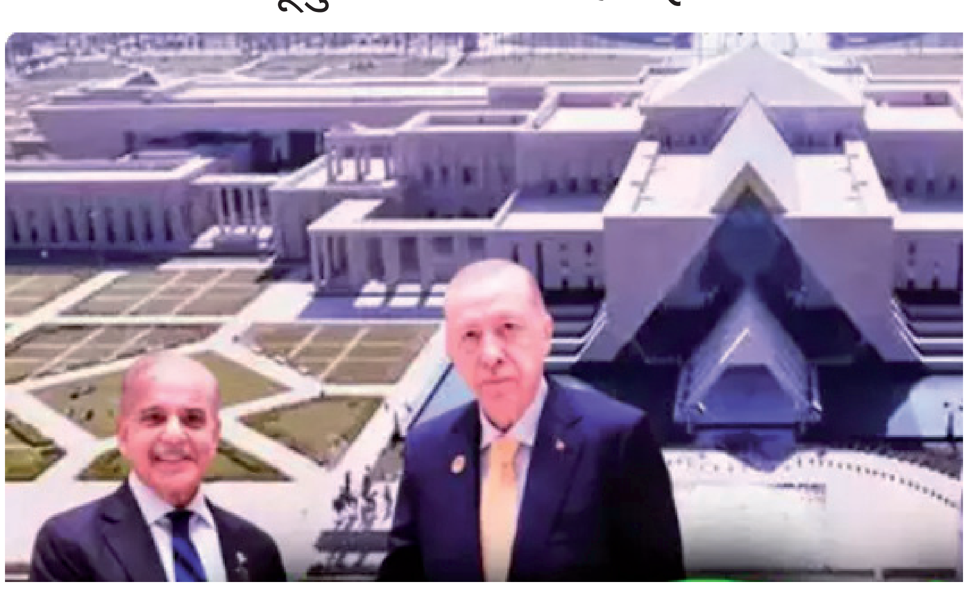

एजेंसी काहिरा

भारत के करीबी मित्र देश मिस्र ने अपनी नई राजधानी को दुनिया के सामने पेश किया है। दुनिया के 8 वकिासशील मुस्लिम देशों (D-8) की इस बैठक में गुरुवार को मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी ने इस नई राजधानी के नए प्रशासनिक भवन और राष्ट्रपति महल का अनावरण किया। इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस भी पहुंचे थे। ये नेता मिस्र की नई आलीशान राजधानी के वैभव को बस देखते ही रह गए। वर्तमान राजधानी काहिरा से 45 किमी दूर रेगिस्तान में बनाई यह राजधानी जर्मनी के हैमबर्ग शहर के बराबर है। बताया जा रहा है कि इस राजधानी को बनाने में 58 अरब डॉलर का भारी भरकम खर्च किया जा रहा है। आइए जानते हैं कि मिस्र इस नई राजधानी को क्यों बसाने को मजबूर हुआ पिरामिडों का देश मिस्र इस राजधानी को तब बना रहा है जब वह खुद कंगाली से गुजर रहा है और सऊदी तथा यूएई जैसे देशों ने अब उसे लोन देने से किनारा कर लिया है। दुनिया में इंडोनेशिया के बाद मिस्र ही ऐसा दूसरा देश है जो इस समय दूसरी राजधानी बसा रहा है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता डूब रही है और यही वजह है कि दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश को यह फैसला लेना पड़ा है। वहीं मिस्र की बात करें तो वह दूसरी समस्या से जूझ रहा है। दरअसल, काहिरा दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले शहरों में शामिल हो गया है। काहिरा में 2 करोड़ 20 लाख लोग रहते हैं। इस भीड़ को कम करने के लिए मिस्र ने नई राजधानी बनाई है। मिस्र में डी 8 देशों की यह शिखर बैठक ऐसे समय पर हुई है जब लेबनान में भारी हिंसा का दौर जारी है। वहीं सीरिया में असद सरकार का खूनी तख्तापलट हो गया है। लेबनान के फिर से निर्माण के लिए करीब 30 अरब डॉलर की जरूरत होगी, वहीं सीरिया को 250 अरब डॉलर चाहिए होगा। अगर गाजा को भी जोड़ दें तो उसे 80 अरब डॉलर की जरूरत होगी। इजरायल ने गाजा को कब्रिस्तान में बदल दिया है। इसी को देखते हुए मिस्र के राष्ट्रपति सीसी ने डी 8 देशों की यह बैठक बुलाई थी। सीसी ने इसी नई राजधानी में कहा कि उनका देश सीरिया के फिर से निर्माण में हिस्सा लेगा। मिस्र की यह नई राजधानी किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां बने राष्ट्रपति महल की भव्यता दुनिया का ध्यान आकृष्ट कर रही है। इसमें पिरामिड के आकार में इमारतें बनाई गई हैं जो मिस्र की पहचान हैं। यहां फव्वारे लगाए गए हैं और कृत्रिम झील भी बनाई गई है। साथ ही शेर की वशिाल मूर्तियां लगाई गई हैं। इस आलीशान महल ने डी 8 सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हर नेता को हैरान कर दिया। न्यू अरब की रिपोर्ट के मुताबिक तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकिआन तो महल की दीवारों और छतों को जिस तरह से सजाया गया था, उसे देखने निकल पड़े। यही हाल पाकिस्तानी और बांग्लादेशी नेताओं का रहा। वहीं जनता के कुछ सदस्यों ने इस महल और उसमें हुए खर्च की कड़ी आलोचना भी की है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था जब कराह रही है, ऐसे में इतना खर्च अनावश्यक है। मिस्र को अब और ज्यादा कर्ज लेना होगा।

म्यांमार में जुंटा सेना को बड़ा झटका, अराकान आर्मी ने मिलिट्री कमांड पर किया कब्जा, रोहिंग्या मुस्लिमों का रखाइन हाथ से निकला

एजेंसी नेपीडॉ

म्यांमार में सैन्य शासन वाली जुंटा सेना को बड़ा झटका लगा है। देश के विद्रोही समूह अराकान आर्मी ने रखाइन राज्य में एक क्षेत्रीय सैन्य कमान पर कब्जा कर लिया है। अराकान आर्मी ने अपने टेलीग्राम चैनल पर एक बयान में कहा कि कई हफ्तों की लड़ाई के बाद शुक्रवार को एक कमान 'ऐन' पर पूरी तरह से कब्जा कर लिया है। बीते पांच में महीने जातीय विद्रोहियों के कब्जे में जाने वाली यह दूसरी क्षेत्रीय कमान होगी। इसे म्यांमार की सेना के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। म्यांमार की सेना के पास देश में 14 क्षेत्रीय कमांड हैं, जिनमें से कई वर्तमान में जातीय विद्रोही समूहों या पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज से लड़ रहे हैं। म्यांमार की सेना ने साल 2021 में चुनी हुई सरकार का तख्तापलट करते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया था, जिसके खिलाफ जातीय समूहों ने लड़ाई छेड़ रखी है। इनमें एक समूह अराकान आर्मी है, जिसने रखाइन प्रांत में जुंटा सेना को बड़ी क्षति पहुंचाई है। रखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को लेकर चर्चा में रहा है। पिछले साल नवम्बर में अराकान आर्मी ने सुरक्षा बलों पर हमला शुरू किया था, जिसके बाद से रखाइन राज्य में जबर्दस्त लड़ाई चल रही है। अराकान आर्मी के लड़ाकों ने रखाइन राज्य के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इस राज्य में चीन और भारत के समर्थन से बंदरगाह परियोजनाएं चल रही हैं। राज्य की राजधानी सित्तवे पूरी तरह से कट गई है। समाचार एजेंसी एएफपी ने बताया है कि अराकान आर्मी ने पश्चिमी कमांड ऐन के डिप्टी रीजनल कमांडर को पकड़े जाने का दावा किया है। कथित तौर पर हिरासत में कमांडर की तस्वीरें भी पोस्ट की हैं। इसके पहले अगस्त में म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी ने शान राज्य के लैशियो में पूर्वोत्तर कमान पर कब्जा कर लिया था। 1948 में ब्रिटेन से आजाद होने के बाद म्यांमार लंबे समय तक सैन्य शासन और हिंसा की चपेट में रहा है, लेकिन अगस्त के पहले तक सेना ने कभी भी कोई क्षेत्रीय कमान नहीं खोई थी।

सीरिया में ISIS के नेता को अमेरिका ने हमले में किया ढेर, आतंकियों को बाइडन सरकार से बड़ा झटका

एजेंसी दमिश्क

सीरिया में एक बार फिर ISIS अस्तित्व में आने की कोशिश कर रहा है। इस बीच अमेरिका ने ISIS नेता अबू यूसुफ उर्फ महमूद को गुरुवार को मार गिराया। सटीक हमला कर आतंकी को मारा गया है। शुक्रवार को अमेरिका के सेंटकॉम ने इसकी घोषणा की। इसके अलावा एक अज्ञात ISIS ऑपरेटिव की भी स्ट्राइक में मार गिराया गया। सेंटकॉम की रिपोर्ट के मुताबिक जिस क्षेत्र में हमला हुआ उस पर पहले असद शासन और रूस का नियंत्रण था। सेंटकॉम कमांडर माइकल एरिक कुरिला ने कहा, 'जैसा कि पहले कहा गया है, अमेरिका क्षेत्र में सहयोगियों और भागीदारों के साथ काम करते हुए ISIS को सीरिया में मौजूदा स्थिति का फायदा उठाने और पुनर्गठन करने की अनुमति नहीं देगा।' उन्होंने आगे कहा, 'ISIS का इरादा सीरिया में हिरासत में रखे गए 8000 से ज्यादा ISIS ऑपरेटिव को हिरासत से बाहर निकालना है। हम इन नेताओं और कार्यकर्ताओं को आक्रामक तरीके से निशाना बनाएंगे, जिनमें सीरिया के बाहर अभियान चलाने की कोशिश करने वाले भी शामिल हैं।' यूसुफ को मारने की रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कुछ दिनों पहले अमेरिका ने सीरिया में सटीक हमलों के माध्यम से 12 अन्य ISIS आतंकियों को मार गिराया था। सेंटकॉम ने कहा था कि ये हमले ISIS को बाधित करने, अपमानित करने और हराने के लिए हैं, जिससे आतंकी समूह को बाहरी अभियान चलाने से रोका जा सके। अमेरिका कहना है कि आईएसआईएस एक बार फिर सीरिया में खड़े होने के मौके तलाश न सके। अमेरिकी सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसने एक सीरियाई विद्रोही नेता को पकड़ने के लिए प्रस्तावित एक करोड़ अमेरिकी डॉलर के इनाम पर आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। विद्रोहियों के समूह ने इस महीने की शुरूआत में सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया था। यह घोषणा दमिश्क में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता अहमद अल-शराआ और पश्चिम एशिया के लिए शीर्ष अमेरिकी राजनयिक बारबरा लीफ के बीच हुई बैठक के बाद की गई।

भारत को लेकर अमेरिका को ब्लैकमेल कर रहा था पाकिस्तान, नहीं माना तो बनाने लगा वॉशिंगटन किलर मिसाइल

एजेंसी इस्लामाबाद

जो बाइडन सरकार के अंतिम दिनों में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फिनर ने खुलासा किया है कि पाकिस्तान अमेरिका किलर परमाणु मिसाइल बनाने में जुटा है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान सरकार की कोशिश है कि वह अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल बनाए। इसके लिए पाकिस्तान अंतरक्षि कार्यक्रम का झूठ दुनिया को बोल रहा था। अमेरिका ने पाकिस्तान की यह चाल पकड़ ली और इस मिसाइल से जुड़ी कंपनियों पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक इससे पहले पाकिस्तानी सरकार ने बाइडन प्रशासन को भारतीय मिसाइलों को लेकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। अमेरिका ने पाकिस्तान की इस मांग को खारिज कर दिया। माना जा रहा है कि इससे बौखलाया पाकिस्तान अब दबाव को और बढ़ाने के लिए अमेरिका किलर मिसाइलें बनाने में जुट गया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अमेरिका से बार-बार मांग की थी कि वह भारत को लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के निर्माण से रोके। पाकिस्तान ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि उनके मिसाइल कार्यक्रम को खतरे के रूप में नहीं देखा जाए। इसके बदले में पाकिस्तान अमेरिका से चाहता था कि वह भारत को अपनी मिसाइल ताकत बढ़ाने से रोकने की गांरटी दे। अमेरिका पाकिस्तान के इस ब्लैकमेल को खारिज कर दिया था। पाकिस्तानी एक्सपर्ट का कहना है कि इसके बाद पाकिस्तान ने अपने मिसाइल विकास कार्यक्रम को बढ़ाना जारी रखा। पाकिस्तान के पास पहले से ही 2750 किमी तक मार करने वाली शाहीन 3 मिसाइल है जो भारत के किसी भी इलाके को निशाना बना सकती है। इसके बाद भी अब पाकिस्तान अमेरिका तक मार करने वाली मिसाइल को बना रहा है। इसी वजह से अमेरिका के कान खड़े हो गए। पाकिस्तान का लक्ष्य इजरायल भी हो सकता है। वहीं भारत की बात करें तो चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए नई दिल्ली लगातार मिसाइल ताकत को बढ़ा रहा है। यह चीन और पाकिस्तान दोनों को रास नहीं आ रहा है। यही वजह है कि ये दोनों देश भारत के मिसाइल ताकत को रोकना चाहते हैं। पाकिस्तान का मिसाइल दांव अब उल्टा पड़ गया है। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के खुलासे के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। पाकिस्तानी विश्लेषकों का कहना है कि इससे अब ट्रंप प्रशासन के आने पर भी मिसाइल का मुद्दा गरम रह सकता है और आगे चलकर दोनों देशों के बीच रिश्तों में और ज्यादा तनाव आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पूर्व राजदूत मलीहा लोधी ने भी माना है कि यह चुनौती आगे भी बनी रह सकती है। डॉन अखबार के मुताबिक पिछले 2 साल से पाकिस्तान और अमेरिका के बीच लंबी दूरी की मिसाइलों के विकास पर बातचीत चल रही थी। अमेरिका की मांग को जब पाकिस्तान ने नहीं माना तो वॉशिंगटन ने मिसाइलों से जुड़ी कंपनियों पर कड़ा ऐक्शन लिया है। यही नहीं अमेरिका अब पाकिस्तान को एक खतरे के रूप में ले रहा है। अमेरिका ने सबसे पहले साल 2015 में शाहीन 3 मिसाइल को लेकर चिंता जताई थी जब पाकिस्तान ने इसका परीक्षण किया था। इसके बाद अक्टूबर 2023 में बाइडन प्रशासन ने पाकिस्तान पर अपना दबाव बढ़ा दिया। अमेरिका ने उस समय चीन की 3 कंपनियों पर भी प्रतिबंध लगाया है जो पाकिस्तानी मिसाइल कार्यक्रम में मदद कर रही थीं।

रविंद्र जडेजा का बचाव करते हुए ऑस्ट्रेलियाई मीडिया पर बरसे इरफान पठान, एक लाइन में धो डाला

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच की शुरुआत 26 दिसंबर से ऐतिहासिक मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाएगा। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में फिलहाल तीन टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं जो कि अभी 1-1 की बराबरी पर है।

ऐसे में बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच दोनों टीमों के लिए काफी अहम हो चुका है।

हालांकि, उससे पहले रविंद्र जडेजा के हिंदी प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। ऐसे में अब भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान रविंद्र जडेजा के बचाव में उतर आए हैं।

इरफान पठान ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया पर अपना गुस्सा निकालते हुए कहा सोशल मीडिया पर लिखा, 'इसमें गलत है अगर कोई खिलाड़ी हिंदी इंटरव्यू देता है तो?

दरअसल ये पूरा मामला उस घटना को लेकर जब रविंद्र जडेजा ने भारतीय मीडियाकर्मी के द्वारा पूछे गए सवालों का हिंदी में जवाब दिया था।

ऑस्ट्रेलिया की मीडिया ने बना दिया बड़ा मुद्दा

बता दें कि ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने रविंद्र जडेजा पर आरोप लगाया कि उन्होंने सवाल का जवाब अंग्रेजी में देने से मना कर दिया। इसके अलावा जडेजा ने ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के सावल भी नहीं लिए। हालांकि, भारतीय टीम के मीडिया मैनेजर ने इन आरोपों को पूरी तरह से खंडन किया और अपना पक्ष भी रखा है। भारतीय टीम के मीडिया मैनेजर ने बताया कि रविंद्र जडेजा ने जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी वह अनिवार्य नहीं था। इसके अलावा मैदान पर कुछ भारतीय मीडियाकर्मी थे जो कि जडेजा से बात करना चाह रहे थे। उन्होंने जडेजा से हिंदी में ही सवाल पूछे। यही कारण है कि उन्होंने जवाब भी हिंदी में दिया। इसके अलावा टीम बस को भी देरी हो रही थी इसलिए जडेजा ने ज्यादा सवाल नहीं लिए। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की तरफ से जो सवाल उठाए जा रहे हैं वह पूरी तरह से गलत है।

7 जनवरी के बाद मिल सकता है नया टेस्ट कप्तान

नई दिल्ली,एजेंसी | अब निश्चित तौर पर सीनियर खिलाड़ियों पर नजर है विशेष कर रोहित और विराट पर जो वर्तमान में रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

गंभीर पर भी नजर रहेगी क्योंकि उनके मुख्य कोच बनने के बाद भारत ने जो आठ टेस्ट मैच खेले हैं उनमें से चार मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने तीन मैच जीते और एक मैच ड्रॉ रहा।

यह पूर्व सलामी बल्लेबाज इस तरह की शुरुआत की उम्मीद नहीं रहा था।

भारत से टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड के स्क्वाड का ऐलान, एक से बढ़कर एक सूरमा टीम में शामिल

भारत 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज की मेजबानी करेगा। यह सीरीज 22 जनवरी से शुरू होगी। इंग्लैंड ने जोस बटलर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें आर्चर, साल्ट और लिविंगस्टोन जैसे प्रमुख खिलाड़ी शामिल हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी | नए साल यानी 2025 में भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैच की रोमांचक टी20 सीरीज होने वाली है, जिसको होस्ट भारत ही कर रहा है। 22 जनवरी से इस सीरीज का आगाज होगा। हालांकि एक महीने पहले ही इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ इस टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। इसके अलावा जोफ्रा आर्चर, फिल साल्ट, लायम लिविंगस्टोन जैसे सभी बड़े-बड़े खिलाड़ी भारत का दौरा करेंगे।

भारत-इंग्लैंड टी20 सीरीज का शेड्यूल

22 जनवरी, पहला टी20- भारत बनाम इंग्लैंड, कोलकाता, ईडन गार्डन्स स्टेडियम

25 जनवरी, दूसरा टी20- भारत बनाम इंग्लैंड, चेन्नई, एमए चिदंबरम स्टेडियम

28 जनवरी, तीसरा टी20- भारत बनाम इंग्लैंड, राजकोट, सौराष्ट्र क्रिकेट ऐसोसिएशन स्टेडियम

31 जनवरी, चौथा टी20- भारत बनाम इंग्लैंड, पुणे, महाराष्ट्र क्रिकेट ऐसोसिएशन स्टेडियम

2 फरवरी, पांचवां टी20- भारत बनाम इंग्लैंड, मुंबई, वानखेड़े स्टेडियम

टी20 सीरीज के लिए इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम

जोस बटलर (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कारसे, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

इस स्क्वाड में से कुछ खिलाड़ी आईपीएल का हिस्सा

इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जो टीम अनाउंस की है, उसमें से कुछ खिलाड़ी मार्च में शुरू होने वाले आईपीएल 2025 का भी हिस्सा होने वाले हैं। जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, फिल साल्ट, जोस बटलर और लियाम लिविंगस्टोन... यह सभी खिलाड़ी आईपीएल के आगामी सीजन में एक्शन में नजर आएंगे।

बीजीटी के बाद बीसीसीआई भी कर सकता है अपनी टीम की घोषणा

भारतीय टीम इस वक्त हाई प्रोफाइल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। 3 से 7 जनवरी को सीरीज का आखिरी यानी पांचवां टेस्ट मैच सिडनी में खेला जाएगा।

उसके बाद टीम इंडिया वापसी घर लौट जाएगी। बीजीटी के बाद इंग्लैंड से टी20 सीरीज शुरू होने में 15 दिन का गैप होगा। इस दौरान बीसीसीआई भारत के टी20 स्क्वाड का ऐलान कर सकती है।

पहले बैटिंग में चलाया जादू, फिर गेंदबाजी में बरपाया कहर; भारत ने वेस्टइंडीज को 211 रनों से रौंदा

नई दिल्ली, एजेंसी | भारत ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज टीम को 211 रनों से रौंद डाला है. टीम इंडिया के लिए रेणुका सिंह ने 5 विकेट लिए. भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 211 रनों से रौंद डाला है. टीम इंडिया ने पहले खेलते हुए 314 रन बनाए थे, लेकिन जवाब में कैरेबियाई टीम महज 103 रनों पर सिमट गई. भारत की जीत में स्मृति मंधाना ने 91 रनों की पारी खेलकर बड़ा योगदान दिया, दूसरी ओर रेणुका सिंह ने 5 विकेट चटकाए. अब तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है. इसी मैच के दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर का कैच भी चर्चा का केंद्र बना.

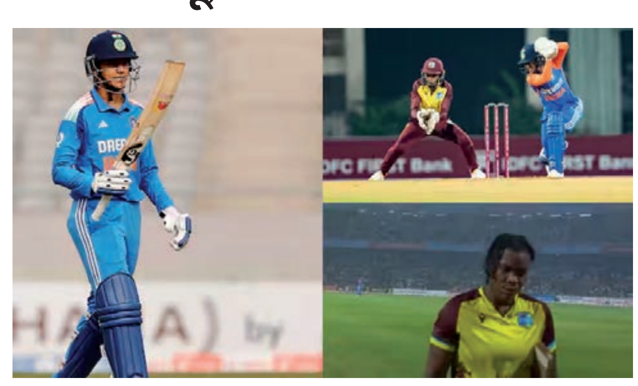

वड़ोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए इस वनडे मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी. यह फैसला उसी पर भारी पड़ा क्योंकि स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने 110 रनों की सलामी साझेदारी कर टीम इंडिया को शानदार शुरुआत दिलाई. स्मृति ने 91 रनों का योगदान दिया, वहीं प्रतिका ने 40 रन बनाए. उनके अलावा हरलीन देओल ने 44 रन और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 34 रनों की पारी खेली. इस सबके बीच जेमिमा रोड्रीगेज भी छाई रहीं, जिन्होंने 19 गेंद में 31 रन की कैमियो पारी खेलकर भारत का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाने में अहम योगदान दिया.

वेस्टइंडीज को बुरी तरह रौंदा

315 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बहुत खराब रही. वेस्टइंडीज के दोनों सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज और कियाना जोसेफ शून्य के स्कोर पर आउट हो गए. आलम यह था कि वेस्टइंडीज की आधी टीम 26 के स्कोर तक पवेलियन लौट चुकी थी. शेमान कैम्पबेल ने 21 रन और एफी फ्लेचर ने 24 रन बनाकर अपनी टीम की हार को टालने का प्रयास जरूर किया, लेकिन कुल प्रदर्शन को देखते हुए वेस्टइंडीज की हार निश्चित थी.

मैच में वेस्टइंडीज के 7 बल्लेबाज रनों के मामले में दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू सके. भारत के लिए गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर ने 5 विकेट लिए. इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया. उनके अलावा प्रिय मिश्रा ने 2, वहीं दीप्ति शर्मा और टिटस साधू ने एक-एक विकेट लिया.

हरमनप्रीत कौर ने एक ओवर में जड़े 2 चौके और 1 छक्का

भारतीय पारी ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के क्रीज पर आने के बाद रफ्तार पकड़ी। वह तीन चौके और एक छक्का लगाकर तेजी से रन जुटा रही थी लेकिन रिचा के साथ गफलत का शिकार होकर रन आउट हो गयी।

हालांकि आउट होने से पहले उन्होंने पारी के एक ही ओवर में 2 चौके और 1 छक्का लगाया था। यह कारनामा उन्होंने करिश्मा रामहरैक के खिलाफ पारी के 39वें ओवर में किया था। उस ओवर में कुल 16 रन आए थे। रिचा और जेमिमा ने तेजी से रन बनाना जारी रखा। जेमिमा ने तीन चौके और छक्का तो वहीं रिचा ने चार चौके और एक छक्का के साथ अपने आक्रामक तेवर दिखाये।

$102 ट्रिलियन पहुंचा दुनिया का कर्ज, किस देश पर सबसे ज्यादा, भारत का क्या हाल है

दुनिया का कर्ज 102 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। दुनिया के कई देश कर्ज लेकर अपनी इकॉनमी चला रहे हैं। इनमें अमेरिका भी शामिल है जिसका कर्ज उसकी इकॉनमी का 125% पहुंच चुका है। भारत भी टॉप 10 देशों में शामिल है। जानिए किस देश पर कितना कर्ज है...

नई दिल्ली, एजेंसी | दुनिया के देशों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक दुनिया का कर्ज 102 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है। दुनिया के कई बड़े-बड़े देश कर्ज लेकर इकॉनमी चला रहे हैं। आईएमएफ और यूएस ट्रेजरी के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में सबसे ज्यादा कर्ज अमेरिका पर है। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले इस देश की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज 36 ट्रिलियन डॉलर पहुंच चुका है जो उसकी जीडीपी का करीब 125 फीसदी है। दुनिया के कुल कर्ज का 34.6 फीसदी केवल अमेरिका पर है। मुश्किल यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जबकि उसकी इकॉनमी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस कर्ज का ब्याज चुकाने में अमेरिका को बहुत पैसा देना पड़ रहा है।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर चीन है। ग्लोबल डेट का 16.1 फीसदी चीन के सिर पर है। पिछले साल चीन का कर्ज 14.69 ट्रिलियन डॉलर था। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है लेकिन पिछले कुछ समय से उसे कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ रहा है। जापान तीसरे नंबर पर है। दुनिया के कुल कर्ज का 10 फीसदी जापान पर है। पिछले साल देश का कर्ज 10.79 ट्रिलियन डॉलर है। ब्रिटेन का कर्ज पिछले साल 3.46 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो ग्लोबल डेट का 3.6 फीसदी है। इस लिस्ट में फ्रांस पांचवें और इटली छठे नंबर पर है। फ्रांस पर 3.35 ट्रिलियन डॉलर और इटली पर 3.14 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है।

भारत का हाल - इस लिस्ट में भारत सातवें नंबर पर है। दुनिया की पांचवें नंबर की इकॉनमी भारत पर पिछले साल कुल 3.057 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज था जो ग्लोबल डेट का 3.2 फीसदी है। यह जर्मनी, कनाडा, ब्राजील और रूस जैसे देशों से ज्यादा है। दुनिया में सबसे कम कर्ज इराक, चिली, चेक गणराज्य, वियतनाम, हंगरी, यूएई. बांग्लादेश, यूक्रेन, ताइवान, रोमानिया, नॉर्वे, स्वीडन, कोलंबिया, आयरलैंड और फिनलैंड पर है। पाकिस्तान पर ग्लोबल डेट का केवल 0.3 फीसदी और बांग्लादेश पर 0.2 फीसदी है।

एपिगैमिया के सह संस्थापक रोहन मीरचंदानी का निधन; 42 साल की उम्र में हार्ट अटैक से हुई मौत

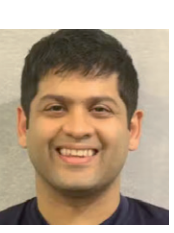

नई दिल्ली, एजेंसी | देश के प्रमुख यौगर्ट ब्रांड एपिगैमिया के सह संस्थापक रोहन मीरचंदानी का हृदय गति रुकने के कारण निधन हो गया। वे 42 वर्ष के थे। उनकी मौत के बारे में एपिगैमिया की पैरेंट कंपनी ड्रम्स फूड इंटरनेशनल ने जानकारी दी है।बता दें कि इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने भी निवेश कर रखा है।

ड्रम्स फूड इंटरनेशनल ने अपने बयान में कहा कि एपिगैमिया परिवार में हम सभी इस क्षति पर गहरा शोक मनाएंगे। रोहन हमारे गुरु, मित्र और लीडर थे। हम उनके सपने को ताकत और जोश के साथ आगे बढ़ाने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम हैं। रोहन के विचार और मूल्य हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। ड्रम्स फूड ने आधिकारिक बयान में यह भी कहा कि हम उनके द्वारा रखी गई नींव का सम्मान करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि उनका सपना फलता-फूलता रहे।

जारी आधिकारिक बयान में यह भी बताया गया है कि एपिगैमिया का संचालन अब कंपनी के सीओओ और संस्थापक सदस्य अंकुर गोयल और सह-संस्थापक और निदेशक उदय ठक्कर द्वारा निदेशक मंडल के पूर्ण समर्थन के साथ प्रबंधित किया जाएगा, इस निदेशक मंडल में रोहन का परिवार, राज मीरचंदानी और प्रमुख निवेशक, वर्लिनवेस्ट और डीएसजी कंज्यूमर पार्टनर्स शामिल हैं।

रिजर्व बैंक ने 2024 में रेपो दर नहीं बदलीं, 2025 में नए RBI गवर्नर के सामने हैं कई चुनौतियां

नई दिल्ली, एजेंसी | भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पूर्व गवर्नर शक्तिकान्त दास के नेतृत्व में 2024 में ब्याज दरों में कटौती के दबाव को नजरअंदाज किया और अपना मुख्य ध्यान महंगाई पर केंद्रित रखा. अब नए मुखिया की अगुवाई में केंद्रीय बैंक को जल्द यह फैसला लेना होगा कि क्या वह आर्थिक विकास की कीमत पर महंगाई को तरजीह देना जारी रख सकता है.

ब्यूरोक्रेट शक्तिकांत दास ने 2016 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नोटबंदी के फैसले के बाद पूरे मामले की देखरेख की थी. उन्होंने एक स्थायी विरासत छोड़ी है उन्होंने छह साल तक मौद्रिक नीति को कुशलतापूर्वक संचालित किया. शक्तिकांत दास को कोविड-19 महामारी के समय से भारत के पुनरुद्धार को आगे बढ़ाने का श्रेय जाता है.

साल 2024 के अंत में दास का दूसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को नया गवर्नर नियुक्त किया है. इस साल के अंत में एक अन्य नौकरशाह संजय मल्होत्रा को दास का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया. मल्होत्रा को दास का दूसरा तीन वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने से मात्र 24 घंटे पहले ही नियुक्त किया गया. साल 2024 के अंत में दास का दूसरा कार्यकाल पूरा होने के बाद सरकार ने राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को नया गवर्नर नियुक्त किया है.

शक्तिकांत दास के नेतृत्व में आरबीआई ने लगभग दो साल तक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को यथावत रखा हालांकि, चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर पर आ गई है.

नए गवर्नर के कार्यभार संभालने तथा ब्याज दरों में कटौती के पक्ष में ब्याज दर निर्धारण समिति (एमपीसी) में बढ़ती असहमति के कारण अब सभी की निगाहें फरवरी में आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक पर हैं. सभी इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि फरवरी की बैठक में एमपीसी का क्या रुख रहता है.

इसी महीने उनकी नियुक्ति के बाद कुछ विश्लेषकों का मानना था कि मल्होत्रा के आने से फरवरी में ब्याज दरों में कटौती की संभावना मजबूत हुई है, लेकिन कुछ घटनाएं, विशेषकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा 2025 में ब्याज दर में कम कटौती का संकेत दिए जाने, रुपये पर इसके असर के बाद कुछ लोगों ने यह सवाल उठाना शुरू कर दिया है कि क्या यह ब्याज दर में कटौती के लिए उपयुक्त समय है.

कुछ पर्यवेक्षक यह भी सवाल उठा रहे हैं कि क्या 0.50 प्रतिशत की हल्की ब्याज दर कटौती - जैसा कि मुद्रास्फीति अनुमानों को देखते हुए व्यापक रूप से अपेक्षित है - आर्थिक गतिविधियों के लिए किसी भी तरह से उपयोगी होगी. एक नौकरशाह के रूप में लंबे करियर के बाद केंद्रीय बैंक में शामिल हुए दास ने कहा था कि उन्होंने उन प्रावधानों के अनुसार काम किया, जो विकास के प्रति सजग रहते हुए मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करते हैं.

छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने अक्टूबर 2024 में सर्वसम्मति से नीतिगत रुख को बदलकर 'तटस्थ' करने का फैसला किया था. अपनी आखिरी नीति घोषणा में दास ने जुलाई-सितंबर तिमाही में 5.4 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर और अक्टूबर में मुद्रास्फीति के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर जाने का हवाला देते हुए कहा था कि वृद्धि-मुद्रास्फीति की गतिशीलता अस्थिर हो गई है. आरबीआई ने लगातार 11 बार द्विमासिक नीतिगत समीक्षा के लिए प्रमुख दरों को अपरिवर्तित रखा है.

कंपनी ने एंप्लाइज को दीं टाटा की कारें, रॉयल एनफील्ड बाइक और एक्टिवा स्कूटर्स, कर दिया खुश

इस कंपनी ने अपने कर्मचारियों को कंपनी के प्रति उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें कार और मोटरसाइकिल जैसे गिफ्ट दिए हैं.

नई दिल्ली, एजेंसी | दीवाली के मौके पर भारत की कुछ कंपनियों के एंप्लाईज को ऐसे बंपर ईनाम मिलते हैं कि जानकर हैरानी होती है. इसमें मर्सिडीज से लेकर, गहने, कैश वगैरह शामिल होते हैं और इसके जरिए वो कंपनियां और कर्मचारी सुर्खियों में भी आ जाते हैं. आज भी ऐसा ही कुछ हुआ है और देश की एक कंपनी ने अपने एंप्लाइज को कारों से लेकर रॉयल एनफील्ड जैसे बढ़िया गिफ्ट दिए हैं. जानिए कौन सी कंपनी है और किन्हें दिए हैं ऐसे बेशकीमती गिफ्ट...

चेन्नई की कंपनी ने दिए कारें, स्कूटर और बाईक जैसे कई गिफ्ट

चेन्नई की सरमाउंट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को कंपनी के प्रति उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण को देखते हुए उन्हें कार और मोटरसाइकिल जैसे गिफ्ट दिए हैं. कंपनी के एक टॉप ऑफिशियल ने रविवार को यह जानकारी दी है. कंपनी के 20 एंप्लाइज को हायर गोल हासिल करने के लिए मोटिवेट करने को उन्हें टाटा की कारें, एक्टिवा स्कूटी और रॉयल एनफील्ड बाइक गिफ्ट में दिए गए.

कंपनी का महंगे उपहारों के बारे में क्या मानना है?

गिफ्ट के बारे में उन्होंने कहा कि एक मजबूत एंप्लाइज वेलफेयर प्रोग्राम को लागू करने से न केवल ओवरऑल एंप्लाई सेटिसफेक्शन में सुधार होता है, बल्कि प्रोडक्टिविटी और जुड़ाव में भी बढ़ोतरी होती है. ऐसा करने से मोटिवेशन वाले कर्मचारियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद अधिक होती है.

क्या करती है कंपनी और मैनेजमेंट का क्या है कहना

चेन्नई हेडक्वार्टर वाली ये कंपनी यानी सरमाउंट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड माल ढुलाई में देरी, ट्रांसपेरेंसी की कमी और अनस्किल्ड सप्लाई चेन सॉल्यूशंस जैसी लॉजिस्टिक्स सेक्टर की आम चुनौतियों को सॉल्यूशंस मुहैया कराती है. कंपनी के फाउंडर और मैनेजिंग एडिटर (एमडी) डेन्जिल रायन ने बयान में कहा कि 'हमारा मिशन सभी साइज के बिजनेस के लिए लॉजिस्टिक्स को आसान बनाना है. हम ट्रेडिशनल माल ढुलाई और लॉजिस्टिक्स प्रोसेस की कठिनाइयों को समझते हैं. हमारा टार्गेट ऐसे सॉल्यूशंस प्रोवाइड दिलाना है जो न केवल स्किल्ड हों, बल्कि पर्यावरण के प्रति भी अलर्ट करने वाले हों.

श्री कृष्ण की कृपा के साथ 2025 का स्वागत कीजिए एवं नए आरंभ के लिए यूं तैयार हो जाइए

हम एक नए वर्ष की दहलीज पर खड़े हैं, और 2025 अपने भीतर नई शुरुआत का वादा लेकर आया है। हर साल की तरह, यह समय हमें आत्ममंथन, नवीनीकरण और जीवन में नए लक्ष्य निर्धारित करने का अवसर देता है। लेकिन यह संकल्प वास्तविक रूप से परिवर्तनकारी कैसे बन सकते हैं? 'श्री कृष्ण चरित मानस (रसायन महाकाव्य)' की कालजयी शिक्षाएं हमें नए वर्ष को स्पष्टता, उद्देश्य और दिव्यता के साथ अपनाने के लिए एक गहरा मार्गदर्शन प्रदान करती हैं। 'श्री कृष्ण चरित मानस (रसायन महाकाव्य)' की एक प्रमुख शिक्षा है कि ईश्वरीय इच्छा के समक्ष समर्पण करना, यानी जीवन की चुनौतियों को एक अवसर के रूप में लेना, जो हमें परम शक्ति में और अधिक विश्वास करने का अवसर देती है। अनिश्चितता के समय में, भय के समक्ष झुकने के बजाय, भगवान श्री कृष्ण हमें हर स्थिति में विश्वास रखने और हर बाधा को एक दिव्य योजना का हिस्सा मानने का आग्रह करते हैं, जो हमें शांति और संतोष की ओर ले जाती है। जैसे ही हम 2025 में कदम रख रहे हैं, आइए इस शिक्षा को अपनाएं और परिणाम से अपनी आसक्ति को छोड़कर यात्रा का आनंद लें। चाहे वह नया करियर हो, नया संबंध हो, या व्यक्तिगत लक्ष्य, विजय और संघर्ष दोनों में श्री कृष्ण की कृपा पर विश्वास करें। यह समर्पण निष्क्रिय नहीं है; यह जीवन के दिव्य प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने का सक्रिय निर्णय है। 'श्री कृष्ण चरित मानस (रसायन महाकाव्य)' का एक और गहरा संदेश है कि एक उद्देश्यपूर्ण जीवन जिया जाए, जो धर्म में निहित हो। श्री कृष्ण का जीवन कर्तव्य और भक्ति के बीच संतुलन को दर्शाता है। अर्जुन को सिखाते हुए, श्री कृष्ण ने उन्हें यह समझाया कि किसी भी चीज़ से आसक्त हुए बिना अपने कर्तव्य में व्यस्त रहना ही जीवन का मूल उद्देश्य है। यह शिक्षा विशेष रूप से प्रासंगिक है जब हम आने वाले वर्ष के लिए अपने लक्ष्यों को निर्धारित करते हैं। भौतिक उपलब्धियों के लिए जीने के बजाय, आइए हम खुद से पूछेंः क्या मेरे कार्य मेरे उच्च उद्देश्य के साथ संगत हैं? चाहे वह हमारा कार्य हो, संबंध हों, या समाज के प्रति सेवा, 2025 वह वर्ष बन सकता है, जिसमें हम हर कार्य में अर्थ और ईमानदारी भरें। नई शुरुआत का अर्थ अतीत को मिटाना नहीं है, बल्कि इसे आध्यात्मिक रूप से विकसित होने के सबक के रूप में लेना है। 'श्री कृष्ण चरित मानस (रसायन महाकाव्य)' में श्री कृष्ण का जीवन हमें दिखाता है कि जब हम विनम्रता और साहस के साथ परिवर्तन को अपनाते हैं, तो कृपा कैसे प्रवाहित होती है। आइए 2025 का स्वागत खुले दिल से करें, और श्री कृष्ण की कृपा को हमारे मार्ग को प्रकाशित करने दें। संदेह के क्षणों में, श्री कृष्ण का नाम याद रखें; शांति वहीं है, जहां गहन ज्ञान और स्थिरता का वास है। आइए हम श्री कृष्ण की कृपा के समक्ष समर्पित होकर और अपने जीवन को उद्देश्यपूर्ण बनाकर एक आध्यात्मिक यात्रा शुरू करें। परिवर्तन को अपनाकर और भगवान कृष्ण के मार्ग का अनुसरण करके, हम न केवल अपने जीवन को बल्कि हमारे आसपास की दुनिया को भी रूपांतरित कर सकते हैं। हर व्यक्ति को जीवन में एक अवसर की तलाश होती है जो अक्सर वो पहचान नहीं पाता, श्री कृष्ण चरित मानस में श्री कृष्ण अपनी बाल लीलाओं से लेकर महाभारत के युद्ध के मैदान में भी गीता जैसे दिव्य ज्ञान को प्रगट कर अर्जुन को अवसर देते हैं लक्ष्य को पहचानने का ऐसे ही सद्गुरु देव भगवान श्री जगद्गुरु प्रियदर्शी जी महाराज कहते हैं कि जीवन अवसर से भरा हुआ है बस देखने का, तरीका चाहिए वो गुरुकृपा से मिलता है फिर चाहे वो नव वर्ष हो या साल का कोई भी दिन जीव जब चाहे उस अवसर को पहचान कर अपने जीवन को बेहतर बना सकता है।

सिंह राशिफल 2025, प्रमोशन और इंक्रीमेंट अच्छा मिलेगा लेकिन ढैय्या परेशान करेगा

सिंह राशि के जातकों के लिए साल 2025 मिश्रित फल देने वाला रहेगा। इस साल गुरु का गोचर आपकी राशि से 10 भाव में 14 मई तक उपरांत एकादश भाव में होगा। जबकि साल की अंतिम तिमाही में गुरु आपकी राशि से द्वादश भाव में संचार करेंगे। ऐसे में इस साल शुभ कार्य के संयोग बनेंगे। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी, इंक्रीमेंट भी अच्छा मिल सकता है। लेकिन दूसरी ओर शनि का गोचर इस साल आपके लिए अनुकूल प्रतीत नहीं हो रहा है। अप्रैल से शनि आपकी राशि से अष्टम भाव में संचार करते हुए आपको ढैय्या का फल प्रदान करने लगेंगे। जबकि राहु का संचार इस साल आपकी राशि से अष्टम उपरांत सप्तम भाव में होगा जो थोड़ा राहत तो देगा और अनावश्यक खर्च में कमी लाएगा लेकिन वैवाहिक जीवन और परिवार में कुछ तनाव दे सकता है। आइए जानते हैं इन ग्रह स्थितियों के बीच 2025 सिंह राशि के लिए करियर, आर्थिक, पारिवारिक जीवन और स्वास्थ्य के मामले में कैसा रहेगा। सिंह राशि वालों को 2025 में कौन से उपाय करने होंगे जिनसे इनको फायदा होगा। इस साल सिंह राशि के जातकों का स्वास्थ्य मिलाजुला रहने वाला है। अप्रैल से मई तक समय आपकी सेहत के लिए अच्छा है। इस समय आप शनि की ढैय्या से मुक्त रहेंगे और साथ ही राहु का भी अनुकूल प्रभाव बना रहेगा। लेकिन जून से राहु के अष्टम भाव में आ जाने से आपको दुर्घटना के प्रति सतर्क रहने की जरूरत रहेगी। कोई पहले से चली आ रही समस्या उभर सकती है। संक्रमण का भी भय बना रहेगा। आपको इस समय में अपने स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना होगा। सिंह राशि के लिए नौकरी, कारोबार और करियर के मामले में साल 2025 अनुकूल रहने वाला है। आपको इस साल नौकरी में पद वृद्धि का लाभ मिल सकता है। कमाई के स्रोत में इजाफा होगा और सैलरी में वृद्धि से प्रसन्न होंगे। आप इस साल नौकरी में बदलाव के लिए भी प्रयासरत रहेंगे और साल की अंतिम तिमाही में आपको इस मामले में सफलता भी मिल सकती है। तकनीकी क्षेत्र में आपका ज्ञान और अनुभव बढेगा। जो लोग तकनीकी क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उनके लिए यह वर्ष विशेष रूप से उन्नति दिलाने वाला रहेगा। आयात निर्यात के व्यापार में भी इस साल आपको कामयाबी मिलेगी। आर्थिक मामलों में साल 2025 सिंह राशि के लिए खर्चीला रहेगा। आपको बिजली के उपकरणों पर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपको इस साल मई के बाद से आर्थिक मामलों में अधिक सजग रहना चाहिए और जोखिम वाले निवेश से बचना चाहिए। शैयर सट्टा में इस समय आपको नुकसान होने का भय रहेगा। अपने सामान का भी आपको ध्यान रखना होगा, चोरी होने या खोने का भय रहेगा। घर की साज सज्जा और निर्माण कार्य पर भी धन खर्च हो सकता है। यह वर्ष आपके पारिवारिक जीवन के लिए मिलाजुला रहेगा। वैवाहिक जीवन में आपसी नोंकझोंक बना रहेगा। वैसे आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य का संयोग भी बनेगा। लव लाइफ में इस साल सिंह राशि के जातक साहसिक फैसला ले सकते हैं। प्रेम आपका छुपा हुआ है तो उजागर हो सकता है। घर में बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। इस राशि के लोगों को इस वर्ष राहु के उपाय का विशेष ध्यान रखना होगा। क्योंकि राहु विशेष रूप से आपके लिए प्रतिकूल रहेंगे। लाइफ में कई घटनाएं अप्रत्याशित हों सकती हैं। ऐसे में आपको इन उपायों से लाभ मिल सकता है। नियमित राहुकाल के समय आपको राहु के मंत्र ओम रां राहवे नमः का जप करना चाहिए। दुर्गा सप्तशती के पाठ से भी आपको फायदा मिलेगा। प्रत्येक सोमवार को भगवान शिव का अभिषेक करें। सातमुखी रुद्राक्ष को धारण करना कल्याणकारी रहेगा।

पीपल घर में उग आए तो इसे काटना चाहिए या नहीं मन में कई बार आया है सवाल, तो जान लें पीपल के पौधे या पेड़ को काटने के विशेष नियम

पीपल में देवताओं का वास होता है, इसलिए इसकी पूजा करने से ग्रह शांत होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। पीपल वृक्ष के लगाने से या पीपल वृक्ष में जल चढ़ाने से ग्रहों की शांति होती है, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि घर में पीपल का वृक्ष उग जाता है और अज्ञानता में लोग घर में उगे पीपल के पौधे में ही जल अर्पित करना शुरू कर देते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार घर में उगे पीपल पर जल नहीं चढ़ाना चाहिए। वहीं, घर में उग रहा पीपल भी शुभ नहीं माना जाता। अब ऐसे में सवाल उठता है कि घर में उग रहे पीपल को कैसे काटा जाए? आइए, जानते हैं इस सवाल का जवाब। सबसे पहले इस बात को समझना जरूरी है कि अगर एक पीपल काट रहे है, तो उसके बदले में 10 पेड़ लगाने चाहिए और कंवल लगाने नहीं चाहिए उसका पालन-पोषण भी करना चाहिए। यदि 1000 पत्तों से छोटा पीपल का पेड़ है, उसको काटने का कोई दोष नहीं है। जो टंकियों के आसपास में पीपल के पेड़ लग जाते हैं। यह कितने भी बड़े हो, उनको काटने का कोई भी दोष नहीं है। जो छतों में पीपल के पेड़ लग जाते हैं, उनको काटने पर भी कोई भी दोष नहीं लगता। वहीं, घर के कच्चे आंगन में लगे पीपल को भी उखाड़ा जा सकता है लेकिन इन्हें हटाने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी है। पीपल या किसी पेड़ को काटना भी पड़े, तो उसको एक रात पहले यहां पर जाकर दीपक प्रज्ज्वलित करें और वहां पर थोड़ा प्रसाद चढ़ाएं और यह प्रार्थना करें कि अगर इस पीपल के ऊपर कोई भी देवता का वास है, तो वह यहां से परिवर्तित हो जाए। यहां से किसी दूसरी जगह चले जाएं क्योंकि हम कुल पेड़ काटने वाले हैं। यहां पर 108 बार विष्णु सहस्त्रनाम के या 108 पाउ गजेंद्र मोक्ष के जरूर करवा लेना चाहिए। पीपल को किसी भी हाथी, बैल या किसी भी छोटी कन्या के द्वारा पीपल वृक्ष को निकलवाया जा सकता है। इसका अर्थ यह है कि हाथी, बैल या छोटी कन्या अगर पीपल पर थोड़ा-सा स्पर्श कर दें या बल लगा दें, तो फिर इसके बाद पीपल के पौधे को कहीं और जगह रिप्लांट किया जा सकता है। वहीं, अगर पीपल के पौधे को रिप्लांट नहीं हो सके और कटवाना ही पड़े, तो फिर ऐसा करें कि सबसे पहले जो भी कुल्हाड़ी चलाई जाएगी उसके आगे घी या फिर शहद लगाकर उसे पूरित करें और फिर उसे कुल्हाड़ी से उस पीपल को काटना चाहिए। काटे हुए पीपल की लकड़ी को श्मशान में दान कर देना चाहिए या जहां पर हवन होता है, उस जगह पर दान कर देना चाहिए। पीपल के पत्तों को अगर हाथी को खिलाया जाए, तो भी बहुत ही अच्छा रहता है। पीपल के पत्तों को हाथी या बैल को खिलाने पर उसका दोष नहीं रह जाता है। एक पेड़ को काटने के बदले 10 पेड़ लगाने का प्रयास करना चाहिए। पीपल ही नहीं, हर पेड़ कीमती है। पेड़ जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। इसी के आधार पर पीपल के पेड़ की पूजा-अर्चना और सेवा करके पुण्य फलों की प्राप्ति करते रहना चाहिए।

आर्थिक राशिफल: पूरे दिन रहेगा सर्वार्थ सिद्धि योग, कारोबार में खूब तरक्की पाएंगे कन्या और तुला राशि के लोग, होगी जबर्दस्त कमाई

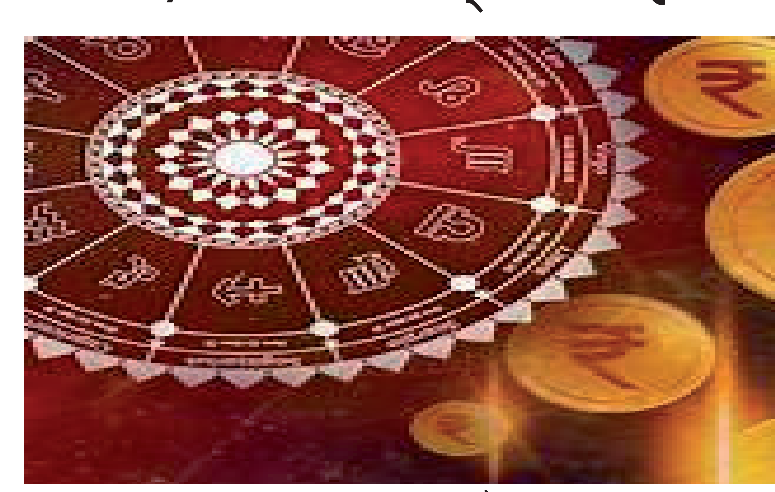

मेष राशि वालों का दिन लाभ और महत्वाकांक्षा से भरा होगा। आपके लिए तरक्की के अच्छे योग हैं और भाग्य आपका साथ देगा। आपके लिए कहीं यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं और आपकी तरक्की होगी। आपके सभी काम पूरे होंगे। दोपहर बाद उच्चाधिकारी से विवाद हो सकता है और कानूनी मामले एक नया मोड़ ले सकते हैं। शाम के समय योजनाओं में सफलता मिलेगी, लेकिन मेहमानों के आने से खर्च बढ़ सकता है।

वृष राशि वालों को करियर में सफलता मिलेगी, लेकिन व्यापारियों का पार्टनर से अनावश्यक विवाद हो सकता है, इसलिए सावधान रहें। आपकी कार्यकुशलता से आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। परिवार के लिए कुछ ज़रूरी खरीदारी से लाभ होगा। लेकिन बेहतर होगा कि आप अपने बजट का ध्यान रखें। कोई पसंदीदा और उपयोगी वस्तु खरीदेंगे। यह एक शुभ खर्च होगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा और आपका मन प्रसन्न रहेगा। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपको राजनीतिक मामलों में फायदा होगा और करियर में तरक्की होगी। दोपहर बाद नए काम की योजना बनेगी। आपके अच्छे कर्मों से आपको लाभ होगा और करियर में तरक्की होगी। रात में किसी शुभ समारोह में शामिल होने का मन करेगा और आपको अधिक खर्च करना पड़ सकता है। परिवार के लोगों के साथ आपका वक्त अच्छा बीतेगा और आपकी तरक्की होगी।

कर्क राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। यह दिन भाग्य उदय का है। जीवनसाथी और व्यापारिक साझेदारों का सहयोग मिलेगा। अच्छे कामों में आपकी रुचि बनी रहेगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। मन को शांति मिलेगी। लेकिन ज़्यादा काम से थकान हो सकती है, इसलिए सावधान रहें। कहीं से शुभ समाचार मिल सकता है। आपको लाभ होगा और मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि वालों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा, लेकिन करियर में लाभ होगा। समाज में आपकी अच्छी छवि बनेगी और जो भी काम चल रहे हैं, उनमें सफलता मिलेगी। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और रुके हुए काम पूरे होंगे। पदोन्नति के अवसर मिलेंगे और दिन सफलता से भरा होगा। जो काम आपने सोचकर रखे थे, वे पूरे हो पाएंगे। धन में वृद्धि होगी और कारोबार में मुनाफा होगा और आपकी तरक्की होगी।

कन्या राशि वालों को लाभ होगा और आपके लिए उत्तम संपत्ति के योग बन रहे हैं। ऑफिस के काम में आप अपने टारगेट के अनुसार पूरा मिलने के योग हैं। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और किसी मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपके ऊपर ज़िम्मेदारियां बढ़ने से आपका बोझ बढ़ सकता है। घबराएं नहीं और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। शाम से रात तक पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिलेगा और मन प्रसन्न रहेगा। किसी शुभ समारोह में जाने से सौभाग्य में वृद्धि होगी।

तुला राशि वालों को भाग्य का साथ मिलेगा और सुख-साधनों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग और साथ हर मामले में मिलेगा। आपके व्यावसायिक प्रयास सफल होंगे और मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शाम से रात तक किसी कीमती वस्तु के खोने या चोरी होने का डर है, इसलिए सावधान रहें। वरना कोई भारी नुकसान हो सकता है। आपके लिए सम्मान प्राप्ति का दिन है और आपकी तरक्की होगी।

वृश्चिक राशि वालों को करियर में लाभ होगा और आपका दिन दूसरों की मदद करने में बीतेगा। दूसरों की मदद करने से जो संतुष्टि मिलती है, उससे आपका मन काफी प्रसन्न रहेगा। ऑफिस में आपके अधिकार बढ़ने से सहकर्मियों का मूड खराब हो सकता है और वे आपसे जलन महसूस कर सकते हैं। शाम का समय परिवार के साथ आनंद और सफलता में बीतेगा। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में आपको सफलता प्राप्त होगी।

धनु राशि वालों के लिए करियर में कमाई के योग बन रहे हैं और परिवार में सुख-शांति का माहौल रहेगा। आप अपने धैर्य और मृदु व्यवहार से माहौल को हल्का बना पाएंगे। किसी प्रिय व्यक्ति की मदद करने से कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रात का समय आनंद और मनोरंजन में बीतेगा। आपके सम्मान में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। धन लाभ होगा और आपकी कमाई बढ़ेगी। आपका दिन सम्मान से भरा होगा।

मकर राशि के जातकों का ध्यान समस्या के समाधान को निकालने की तरफ रहेगा। ज्ञान प्राप्ति की इच्छा बढ़ेगी। व्यावसायिक परिवर्तन की चाह रखने वाले जातकों को परिवर्तन के अवसर प्राप्त होंगे।

कुंभ राशि के जातक नए वाहन खरीद के लिए जरुरी रिसर्च पर ध्यान देंगे। यदि आप भूमि भवन से संबंधित कोई डील करते हैं तो वह आपके लिए लाभदायक रहेंगे। कमाई के लिहाज से दिन अनुकूल है। लोन लेने की संभावना भी बनी हुई है। खर्च अधिक रहेंगे।

मीन राशि के जातकों की कलात्मक सोच में वृद्धि होगी। साथ ही आज आपको अचानक सफलता मिलने की अच्छी संभावना बनी हुई है। यदि आपका कोई पेपर वर्क है तो पेपर वर्क कुछ समय के लिए अटक सकता है। धन संबंधित मामलों में दिन बहुत ही अनुकूल रहेगा।

भाग्य के अलावा कोई किसी को कुछ नहीं दे सकता

बात काफी समय पुरानी है, एक मजदूर और एक किसान में गहरी दोस्ती थी। एक दिन अपनी आर्थिक स्थिति से परेशान होकर उन्होंने धन प्राप्ति के लिए राजदरबार में जाने की सोची। किसान ने कहा, 'हम राजा के दरबार में चलते हैं। अगर वे खुश हो गए तो हमारी हालत सुधर जाएगी।' मजदूर ने कहा, 'राजा के देने से हालत नहीं सुधरेगी, केवल भाग्य के चाहने पर ही हालत में सुधार हो सकता है, देगा तो भाग्य, क्या करेगा राजा।' किसान ने कहा, 'नहीं ऐसा नहीं है, राजा सब कुछ कर सकता है, देगा तो राजा ही, इसमें क्या करेगा भाग्य।' दोनों बहस करते हुए राजा के दरबार में पहुँचे और अपनी-अपनी बात राजा से कही। किसान की बात सुनकर राजा खुश और मजदूर से नाराज हो गया। उन्होंने दोनों को दूसरे दिन दरबार में आने को कहा। दूसरे दिन राजा ने मजदूर को चावल, दाल और कुछ पैसे दिए और किसान को चावल, घी और एक कद्दू दिया। उस कद्दू के भीतर छुपाकर सोना भरवा दिया। राजा ने कहा, 'अब दोनों जाकर खाना बनाकर खा लो। शाम को दरबार में फिर हाजिर होना। किसान और मजदूर वहाँ से चले गए। नदी किनारे पहुंचकर दोनों खाना बनाने लगे। किसान ने मजदूर

की ओर देखकर सोचा, ''राजा ने इसे दाल दी और मुझे कद्दू पकड़ा दिया, जिसे छीलो, काटो और फिर बनाओ, कद्दू खाने के बाद मेरी तबियत खराब हो सकती है,'' यह विचार आते ही उसने मजदूर से कहा, 'दोस्त ये कद्दू तुम ले लो और अपनी दाल मुझे दे दो। कद्दू खाने से मेरी तबियत खराब हो जाती है।' मजदूर ने उसे दाल देकर कद्दू ले लिया। मजदूर ने जब कद्दू काटा, तो उसमें से ढेर सारा सोना निकला, यह देखकर वह खुश हो गया। उसने सोना एक कपड़े में बांध लिया और कद्दू की तरकारी बनाकर रख ली, लेकिन आधा कद्दू राजा को दिखाने के लिए रख लिया। शाम को दोनों जब राजा के दरबार में पहुँचे, तो राजा ने किसान की ओर देखा, लेकिन उसके चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। यह देखकर राजा आश्चर्य में पड़ गया। राजा कुछ कहता इससे पहले मजदूर ने कद्दू का आधा हिस्सा राजा के सामने रख दिया। राजा ने किसान की ओर देखा और पूछा, 'कद्दू तो मैनें तुम्हें दिया था?' किसान ने कहा, 'हां, लेकिन मैनें उससे दाल ले ली और अपना कद्दू उसे दे दिया। राजा ने मजदूर की ओर देखा, मजदूर ने मुस्कुराकर कहा, 'देगा तो भाग्य ही, क्या करेगा कोई'।

सुशासन व वीर बाल दिवस के आयोजन हेतु भाजपा की जिला बैठक संपन्न

• साधना एक्सप्रेस, नरसिंहपुर

नरसिंहपुर, नरेन्द्र रघुवंशी | भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय नरसिंहपुर में आगामी 25 व 26 दिसम्बर को आयोजित सुशासन दिवस व वीर बाल दिवस के मण्डल व बूथ स्तर पर क्रियान्वयन हेतु जिला बैठक का आयोजन किया गया बैठक जिला भाजपा अध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा की अध्यक्षता में पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाश सोनी, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अवधेश प्रताप पटेल, जिला महामंत्री ठाकुर राजीव सिंह, जिला उपाध्यक्ष विनीत नेमा की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक की शुरूआत महापुरूषो के चित्रो पर माल्यार्पण के

साथ हुई तत्पश्चात नवनियुक्त सभी 22 मण्डलो के अध्यक्षो का स्वागत मंचस्त अतिथियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी.अभिलाष मिश्रा ने कहा कि आप सभी नवनियुक्त मण्डल अध्यक्षो का आज की प्रथम जिला बैठक में स्वागत है आप सभी भाजपा के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रमुख ईकाई है। आप सभी पूर्ण ऊर्जा के साथ पार्टी द्वारा दिये गए कार्यो को प्रत्येक बूथ पर संपन्न कराए यही इच्छा शीर्ष नेतृत्व की है। आगामी 2028 के चुनाव आपके ही नेतृत्व में कराए जांएगे इस हेतु आप सभी को इसकी तैयारियों में लगना है आगामी सुशासन व वीर बाल दिवस हेतु जिला मण्डल व बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएगें जिसके अंतर्गत सुशासन दिवस पर कविताओ का वाचन, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, सुशासन यात्रा प्रदर्शनी, अखबारो में लेख, मण्डल स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन कराना है वही वीरबाल दिवस पर संकीर्तन, प्रभात फेरी, बौद्धिक संगोष्ठी व सभा का आयोजन करना है आप सभी मण्डल अध्यक्ष प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो जाए इसकी पूर्व तैयारी करना है।

पूर्व राज्यसभा सांसद कैलाष सोनी ने कहा कि देश काल परिस्थिति के अनुरूप जो पार्टी समय पर निर्णय लेती है वह भारतीय जनता पार्टी है जिसने युवाओ की शक्ति को पहचानते हुए मण्डल अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदो की जिम्मेदारी आप युवाओं को सौपी है आप सभी पार्टी के कार्यो को पूर्ण मनोयोग से करेंगे ऐसी हमारी आप सभी से अपेक्षा है भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी बाचपेयी की जन्मजयंती को भाजपा द्वारा सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है क्योंकि आदरणीय अटल जी आज भी चेतना के रूप में लोगो के दिलो दिमाग में जिंदा है। श्रद्धेय अटल जी दल के नही संपूर्ण देश के नेता रहे है अतएव इनकी जन्म जयंती पर प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम सफलतापूर्वक हो जाए इसकी चिंता मण्डल अध्यक्षो को करना है साथ ही सिख धर्म के संस्थापक गुरू गोविंद सिंह जी साहिब जादो के शहादत की स्मृति में आयोजित वीरबाल दिवस के कार्यक्रम प्रत्येक मण्डल स्तर पर हो इसकी तैयारियॉ करना है।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक को पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, महेन्द्र नागेश ने भी संबोधित किया । बैठक का संचालन जिला महामंत्री डॉ.हरगोविंद सिंह पटेल, व आभार जिला उपाध्यक्ष शंकर चौधरी ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारीगण नव नियुक्त मण्डल अध्यक्षगण, पूर्व मण्डल अध्यक्षगण, मोर्चा जिलाध्यक्ष, प्रकोष्ठ जिला संयोजकगण उपस्थित रहे।

चैतन्य मिश्रा राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संभागीय अध्यक्ष हुए नियुक्त

• सागर, प्रतिनिधि

प्रहलाद गुप्ता*अनूपपुर* राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिन कांत वाजपेयी व राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी की अनुमति एवं प्रदेश अध्यक्ष मयंक तिवारी की सहमति तथा प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी राजेश शुक्ला की अनुशंसा पर दैनिक नवभारत समाचार पत्र जबलपुर के अनूपपुर ब्यूरो चैतन्य मिश्रा को शहडोल संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।प्रदेश महासचिव राजेश दुबे ने श्री मिश्रा की नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए बधाई दी व आशा जताई की वह अपने संभाग के सभी जिलों मे संभागीय प्रभारी की सहमति से अध्यक्ष व कार्यकारिणी की नियुक्ति सर्वसम्मति से करते हुए संगठन हित मे नई ऊर्जा से कार्य करेंगे और समय पर सदस्यता अभियान पूर्ण करें।

चैतन्य मिश्रा को राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का शहडोल संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर अरविन्द बियानी, अमित शुक्ला, विनोद विन्धेश्वरी पाण्डेय, धर्मेन्द्र कान्त तिवारी, लक्ष्मी नारायण शुक्ला, आशीष द्विवेदी, बद्रीनाथ तिवारी, अजीत तिवारी, आदित्य सिंह, आशुतोष सिंह, रमाकांत शुक्ला, बृजेश जयसवाल, रमेश जयसवाल, अभिषेक द्विवेदी, राजेश सिंह, राजकुमार शुक्ला, अरुण ओटवानी, नीरज द्विवेदी, हिमांशु बियानी, अमित तिवारी, दिगंबर शर्मा, मदनमोहन मिश्रा, सुनील मिश्रा, प्रमोद तिवारी, सतीश चौरसिया, हीरा सिंह,,पुनीत सेन,नियामू ,कमलेश मिश्रा, श्रीराम केवट, रामचरण मिश्रा, अमीन वारसी,साबिर अली, अनिल कुमार सोनी, प्रीतम तिवारी, राजकुमार यादव, दिनेश केवट, अरुण त्रिपाठी,बब्लू मिश्रा, इंद्रपाल यादव, अमित कुमार बैंस, श्याम तिवारी,दीपेश जैन,प् रहलाद गुप्ता , गिरीश राठौर, आनंद पाण्डेय, अनुपम सिंह , मनोज जैन, बृजेश द्विवेदी ने बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जतारा हेलीपैड पर हुआ आत्मीय स्वागत

• सागर, प्रतिनिधि

टीकमगढ़ | मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जतारा, जिला टीकमगढ़ हेलीपैड पहुंचने पर आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री दिलीप अहिरवार, विधायक जतारा श्री हरिशंकर खटीक, श्री अमित नुना, श्री अभय यादव, कमिश्नर सागर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत, आईजी श्री प्रमोद वर्मा, कलेक्टर श्री अवधेश शर्मा, एसपी श्री मनोहर सिंह मंडलोई ने हेलीपैड पर पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ यादव का आत्मीय स्वागत किया।

साथ ही हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों तथा आमजन ने भी इकट्ठा होकर पूरे गर्म जोशी के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। तत्पश्चात मुख्यमंत्री डॉ यादव जनकल्याण सह किसान सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होने रवाना हुए।

बैनर-पोस्टर से गायब वरिष्ठ नेताओ के नाम, गोपाल भार्गव बोले- नाम छपने से नहीं बनते नेता

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर में 23 दिसंबर को सागर गौरव दिवस मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव शामिल होंगे। उनके साथ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी तथा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी सागर आएंगे। कार्यक्रम को लेकर पिछले दिनों से शहर में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। शहर को सजाया संवारा जा रहा है, ताकि आगंतुकों को शहर सुंदर दिखे। नगर निगम तथा स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा आनन फानन में उन चिह्नित जगहों को सजाने संवारने में पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है, जहां इन अतिथियों की नजर पड़ेगी।

बैनर पोस्टर और आमंत्रण पत्र में नदारद है वरिष्ठ नेताओं के नाम

इस आयोजन को लेकर शहर को पोस्टरों बैनरों से पाट दिया गया है। नगर निगम द्वारा आमंत्रण पत्र छपवाए गए हैं, जिनमें केवल अतिथियों के नामों के साथ शहर विधायक व एक मंत्री का नाम है बाकी 6 विधायकों के नाम नदारद हैं।

राजनीतिक जानकार बता रहे गुटबाजी

पोस्टर में पीएम नरेंद्र मोदी, डॉ. मोहन यादव व उत्तराखंड पुष्कर धामी की तस्वीर है। इसके नीचे विधायक शैलेंद्र जैन की तस्वीर है। इसके बगल में महापौर संगीता तिवारी, निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार, जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, सांसद लता वानखेड़े, मंत्री गोविंद राजपूत, कैलाश विजयवर्गीय व अंत में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की तस्वीर है। इस पोस्टर को राजनीतिक जानकार भाजपा की गुटबाजी से जोड़ रहे हैं। पोस्टर में दोनों पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव व भूपेंद्र सिंह सहित बंडा विधायक बीरेंद्र लंबरदार, नरयावली विधायक, इंजीनियर प्रदीप लारिया, देवरी विधायक बृजबिहारी पटेरिया को स्थान नहीं मिला है। आमंत्रण कार्ड में भी सीएम डॉ. यादव के साथ उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, विधायक शैलेंद्र कुमार जैन, महापौर संगीता तिवारी, निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार व भाजपा जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया के नाम हैं।

भार्गव ने कहा फोटो छपने से नहीं बनते नेता

इस मामले को लेकर एक आयोजन में वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि जनता में नेता के काम याद किए जाते हैं। पोस्टर बैनर में फोटो छपने से कोई नेता नहीं बन जाता।

शराबियों ने तोड़ी खेड़ापति माता की प्रतिमा, गांव में तनाव का माहौल, पुलिस ने दर्ज किया मामला

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र के चोराडोंगरी गांव में शराब के नशे में तीन लोगों ने खेड़ापति मंदिर में तोड़फोड़ कर प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आदेश गौंड, संदीप गौंड, और अरविंद गौंड के खिलाफ धारा 298 और 324(4) के तहत मामला दर्ज किया है।

सागर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्रअंतर्गत ग्राम चोराडोंगरी में शराब के नशे में तीन लोगों ने खेड़ापति मंदिर में तोड़फोड़ कर प्रतिमा तोड़ दी। साथ ही दूसरी प्रतिमा फेंक दी। इसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। इस घटना की शिकायत ग्रामीणों ने महाराजपुर पुलिस थाने में की है। जिस पर पुलिस ने चोराडोंगरी गांव के ही तीन लोगों पर मामला दर्ज कर लिया है।

चोराडोंगरी गांव के रहने वाले भागवत गौंड ने बताया कि शुक्रवार रात 9 बजे वह अपने घर पर थे। इस दौरान उन्हें खटपट की आवाज आई। उन्होंने जाकर देखा तो गांव के आदेश गौंड, संदीप गौंड और अरविंद गौंड शराब के नशे में मंदिर में खेड़ापति माता की मूर्ति तोड़ रहे थे। रात में डर के कारण कुछ नहीं कहा। शनिवार सुबह गांव के गोपाल यादव, शिवराज यादव, राजेंद्र घोषी और सरपंच प्रतिनिधि थान सिंह लोधी को बताया कि तीनों ने खेड़ापति की मूर्ति तोड़ी है। जिससे सभी की भावनाएं आहत हुईं हैं। शनिवार सुबह सभी ग्रामवासी थाना पहुंचे। जहां तीन लोगों पर मामला दर्ज कराया है।

प्रतिमा तोड़ी

सरपंच प्रतिनिधि थान सिंह ने बताया कि चोराडोंगरी में पांच गांव आते हैं, जहां अवैध रूप से शराब बिक रही है। जो लोग शराब नहीं पीते उनका गांव से निकलना मुश्किल हो जाता है। शराबियों का आतंक अधिक रहता है। भागवत यादव ने बताया कि मामले की रिपोर्ट महाराजपुर पुलिस थाने में दर्ज कराई है। जिसमें बीएनएसकी धारा 298,324 (4) के तहत मामला दर्ज किया है।

शनिवार रात ताला तोड़कर ज्वेलरी शॉप में हुई लाखों की चोरी, ऊपर सो रहे मालिक को भनक तक नहीं

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | सागर जिले के बंडा पुलिस थाना क्षेत्र में चोरियों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा घटना में बंडा नगर स्थित राज श्री ज्वेलर्स नामक दुकान से लाखों के जेवरात और नकद चोरी की वारदात सामने आई है। दुकान मालिक अनिल कुमार जैन के अनुसार, चोरों ने 21 दिसंबर की देर रात दुकान में घुसकर तिजोरी तोड़ दी और लगभग डेढ़ लाख रुपये नकद समेत कुल 30 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए।

दुकान मालिक का निवास दुकान के ऊपर

चौंकाने वाली बात यह है कि चोरी की वारदात उस दुकान में हुई जिसके ऊपर ही दुकान मालिक का निवास है। चोरी की जानकारी मिलते ही दुकान मालिक ने तुरंत बंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई। सूचना के बाद बंडा एसडीओपी शिखा सोनी और थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल की बारीकी से जांच शुरू की।

पुलिस ने जांच तेज की

एसडीओपी शिखा सोनी ने बताया कि दुकान की गहनता से पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने घटना स्थल से साक्ष्य जुटाने और चोरों का पता लगाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा।

चोरियों से दहशत

यह घटना सागर जिले में बढ़ती चोरियों की कड़ी में एक और मामला है। लगातार हो रही चोरियों से व्यापारियों और स्थानीय निवासियों में भय का माहौल है। लोग सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं और पुलिस से त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

प्रभावित व्यापारियों की मांग

व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की है।

आंखों में मिर्च झोंककर व्यापारी से 45 लाख ले उड़े बदमाश, अचानक सामने आए और ले उड़े रुपयों भरा बैग

• सागर, प्रतिनिधि

सागर | बुंदेलखंड अंचल के सागर जिले में अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला मोतीनगर थाना क्षेत्र का है, जहां एक व्यापारी की आंखों में मिर्ची पाउडर डालकर 45 लाख रुपए की लूट की वारदात सामने आई है।

व्यापारी सुनील उर्फ सोनू लहरवानी, निवासी सिंधी कैंप, ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह वह अपनी स्कूटी से 45 लाख रुपए लेकर दूसरे व्यापारी को देने जा रहे थे। घर से निकलकर जैसे ही ओवरब्रिज पर पहुंचे, एक कार उनकी स्कूटी के सामने आकर रुकी। कार में दो युवक थे। तभी एक बाइक आकर उनके बगल में रुकी, और बाइक पर बैठे बदमाश ने उनकी आंखों में मिर्ची पाउडर डाल दिया।

सुनील कुछ समझ पाते, इससे पहले ही बदमाश स्कूटी में रखा पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। बैग में कुल 45 लाख रुपए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें कुछ संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने फुटेज के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। यह वारदात सागर जिले में बढ़ते अपराधों का एक और उदाहरण है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और व्यापारी के लूटे गए पैसे वापस दिलाने का आश्वासन दिया है। घटना से स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मिनाक्षी पांडेय द्वारा डीके ऑफसेट प्रिंटर्स 50/6 शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से मुद्रित एवं 111/44, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र से प्रकाशित ।
संपादक मिनाक्षी पांडेय एवं स्थानीय संपादक मनीष पांडेय मो.न- 7566293490 मेल sadhnaexpress@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल म.प्र रहेगा ।)| RNI NO. MPHIN/2022/84698